yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

• वर्ष- 19 अंक 100 • कटनी • सोमवार, 12 मई, 2025 • मूल्य- 2 रुपए • पृष्ठ-8 • बैशाख पूर्णिमा • विक्रम संवत् 2082

भारत-पाकिस्तान के DGMO की बातचीत शुरू

आतंकवाद, आतंकी ठिकानों पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजफायर के बाद पाकिस्तान बॉर्डर से सटे इलाकों में हालात सामान्य हैं। 11 मई की रात पाकिस्तान की ओर से कोई हरकत नहीं की गई। सेना ने सोमवार सुबह कहा- बीती रात जम्मू-कश्मीर और इंटरनेशनल बॉर्डर पर पूरी तरह शांति रही। कोई भी घटना सामने नहीं आई।राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर के बॉर्डर से लगे इलाकों में 11 मई से हालात नॉर्मल हैं। बाजार खुलने लगे हैं और सामान्य गतिविधियां शुरू हो गई हैं।सीजफायर पर दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस आज दोपहर 12 बजे से फोन पर बात कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच हो रही डीजीएमओ बैठक में सीजफायर, दोनों देशों में तनाव, आतंकवाद, आतंकी ठिकानों पर चर्चा होगी।

सीजफायर के बाद रही शांति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने बताया, ञ्जम्मू-कश्मीर और अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे अन्य इलाकों में रात काफी हद तक शांतिपूर्ण रही। किसी घटना की खबर नहीं है, हाल के दिनों में यह पहली शांत रात है।ञ्जम्मू में रात भर कोई ्रॉस बॉर्डर फायरिंग नहीं हुई । सीजफायर के बाद भी पंजाब और राजस्थान आज भी अलर्ट पर है। किसी घटना की खबर नहीं है, हाल के दिनों में यह पहली शांत रात है।आज सुबह लोग हर रोज की तरह घरों से बाहर निकले। लोग अपने रोजमर्रा के काम करते नजर आए। बीती रात पाकिस्तान की ओर से न फायरिंग की गई और न ही गोले फेंके गए।

अपने घर लौटने लगे प्रवासी

भारत पाकिस्तान में सीजफायर के बाद भी उत्तर प्रदेश-बिहार के प्रवासी मजदूर अपने घर वापस जा रहे हैं। आज सुबह पंजाब के जालंधर, अमृतसर, लुधियाना और पठानकोट रेलवे स्टेशनों पर प्रवासियों की भी? नजर आई। लोगों का कहना है कि उन्हें जान जाने का खतरा महसूस हो रहा है, इसलिए वे अपने घर जा रहे हैं। माहौल ठीक होने पर लौट आएंगे। बता दें कि इससे पंजाब में 1 जून से शुरू हो रहे धान के सीजन पर असर पड़ सकता है। धान रोपाई के लिए मजदूरों की कमी किसानों को झेलनी पड़ सकती है। कमर्शियल इंडस्ट्रीज को भी परेशानी उठानी पड़ेगी।

ताजा हालातों और आगामी रणनीति पर बात होगी। बैठक में दोनों देश बड़ा फैसला ले सकते हैं।बातचीत की जानकारी दोपहर 2.30 बजे प्रेस ब्रीफिंग में दी जाएगी। बातचीत में कोई अन्य देश शामिल नहीं होगा। भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को संघर्ष विराम हुआ था। मिलिट्री सोर्स ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने 12 एयरबेस से ड्रोन लॉन्च किए थे। इससे पहले 10 मई की शाम 6.30 बजे तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें बताया गया था कि ऑपरेशन सिंदूर जिस वजह से लॉन्च किया गया, वो लक्ष्य हासिल कर लिया गया।

जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलेगा भारत- इंडियन एयरफोर्स ने देशवासियों को अफवाहों से बचने की अपील की है। साथ ही बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर 7 मई से शुरु हुआ था और 10 मई तक पाकिस्तान की गोलीबारी, गोलाबारी और हमले में भारतीय सेना के 7 जवान (5 आर्म्ड फोर्सेस, 2 ब्र्स्न) शहीद हो चुके हैं। 60 जवान

घायल हैं और 27 आम लोगों की जान जा चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलेगा। यह नया भारत है, जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कारवाई करेगा। दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर ऑल पार्टी मीटिंग और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। आज दोपहर 2.30 बजे तीनों सेनाओं की प्रेस ब्रीफिंग होने वाली है। इसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच एकबार फिर से हॉटलाइन के जरिए बात की जाएगी। सैनिक हॉटलाइन जिसे मिलिटरी हॉटलाइंस भी कहा जाता है। दो देशों की सीमा के बीच संवाद करने का एक माध्यम होता है। इसमें बॉर्डर पर तनाव या आतंकी गतिविधियों के कारण हुए तनाव को कम करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला चैनल होता है। यह एक महत्वपूर्ण संवाद चैनल होता है, जो गलतफहमी और टकराव से बचने में मदद करता है।

कौन करता है हॉटलाइन पर बात- हॉटलाइन एक संचार माध्यम है। इसमें बात करने का अधिकार सिर्फ DGMO (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स) को होता है। कोई भी आम नागरिक इस पर बात नहीं कर सकता है और न ही कोई अन्य सैनिक। यह बातचीत पूर्णता सिक्योर और कॉनफिडेंशल होती है।

सीजफायर के 43 घंटे बाद 32 एयरपोर्ट्स खोले गए, बुकिंग शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 43 घंटे बाद सोमवार को 9 राज्यों के 32 एयरपोर्ट्स खोल दिए गए हैं। एयरलाइंस कंपनियों की तरफ से यात्रियों के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। 32 एयरपोर्ट्स के लिए एयरलाइन सर्विसेज 9 मई से 15 मई की सुबह .29 बजे तक बंद की गई थीं। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सोमवार को प्रेस रिलीज के जरिए एयरपोर्ट्स खोलने की जानकारी दी। इसमें बताया कि 15 मई तक बंद 32 एयरपोर्ट्स अब तत्काल प्रभाव से एयरक्राफ्ट ऑपरेशन्स के लिए उपलब्ध हैं। यात्रियों को फ्लाइट्स की जानकारी के लिए एयरलाइन कंपनियों की वेबसाइटों देखने के लिए कहा गया है।

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई को पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान ने भी जवाबी हमला किया। दोनों देशों के बीच 10 मई तक संघर्ष चला। 10 मई की शाम 5 बजे भारत-पाकिस्तान ने सीजफायर (संघर्ष विराम) की घोषणा की थी।

भारत और पाकिस्तान के बीच कम हुए तनाव के बाद सामने आया अमेरिकी विदेश विभाग का बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम हो गया है। बीती रात बॉर्डर एरिया में शांति रही है और पाकिस्तान ने कोई गड़बड़ी नहीं की है। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच बनी सहमति पर अमेरिकी विदेश विभाग का बयान सामने आया है।

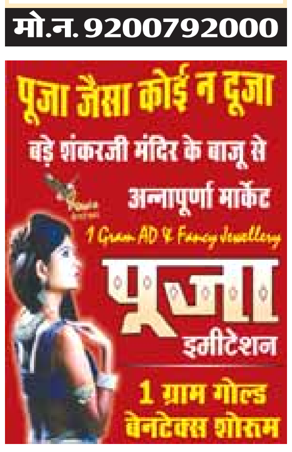

छत्तीसगढ़ में माजदा और ट्रेलर में भीषण टक्कर 14 लोगों की मौत, 30 घायल

बड़ा हादसा खरोरा में चौथिया से लौट रहे ग्रामीण हुए हादसे का शिकार

रायपुर • यशभारत
yashbharat.co.in

छत्तीसगढ़ की राजधानी से लगे रायपुर-बलौदाबाजार मुख्य मार्ग पर रविवार रात लगभग 12.15 बजे भीषण सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को रायपुर मेडिकल अस्पताल लाया गया है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब ग्राम चटौद के ग्रामीण एक स्वराज माजदा वाहन से विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसे में कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में सबसे ज्यादा महिलाएं हैं।

50 से अधिक लोग थे सवार- हादसे के समय माजदा वाहन में 50 से अधिक लोग सवार थे, जो शादी पश्चात आयोजित छट्ठी कार्य म से लौट रहे थे।हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। कई लोग वाहन में फंसे रह गए जिन्हें ग्रामीणों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया।

इलाज जारी, मौके पर अफसर तैनात- घायलों को तत्काल खरोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और रायपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। खरोरा पुलिस मौके पर मौजूद है और राहत-बचाव कार्य जारी है। वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल में पहुंच गए हैं। मृतकों में 4 बच्चे और 9 महिलाएं शामिल हैं। जैसे ही ट्रक और ट्रेलर में टक्क र हुई तो तेज आवाज हुई तो स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और हादसे के शिकार लोगों की मदद की। ये हादसा तब हुआ जब मालवाहक चौथियाछट्ठी से एक कार्य म में शामिल होकर लौट रहा था। सामने से आ रहे ट्रेलर की मालवाहक के भीषण टक्क र हो गई। खरोरा में हुए भीषण सड़क हादसे की खबर के बाद से ही रायपुर में हड़कंप मच गया है। हाससे में 10 लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई है।

मौके पर हुई 14 लोगों की मौत- रायपुर के बदौलाबाजार रोड, सारागांव के पास मालवाहक और ट्रेलर में भीषण टक्क र हुई जिसमें मौके पर ही 14 लोगों की जान चली गई। ये घटना बहुत ही भयावह थी जिससे वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वहीं कई लोग घायल भी हुए हैं जिन्हें आनन-फानन में रायपुर के डॉ. बीआर अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने की मदद- मिली जानकारी के अनुसार, जैसे ही हादसा हुआ तो तेज आवाज सुन स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने पहले पुलिस को इस दुर्घटना की सूचना दी और फिर घायल लोगों की मदद की। लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक इस बारे में इतनी सटीक जानकारी नहीं आई है कि हादसा हुआ कैसे और किसकी गलती है।

भारत पाक में तनाव के बीच ट्रंप का दवाइयों को लेकर बड़ा ऐलान, अमेरिका में 30% होंगी सस्ती

वाशिंगटन • एजेंसी
yashbharat.co.in

अमेरिका में दवाइयां 30 प्रतिशत सस्ती होने जा रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया कि वह प्रिस्क्रिप्टिड और फार्मा प्रोडक्ट्स की कीमतें कम करने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को अपने फैसले के बारे में देशवासियों को बताया और कहा कि आदेश पर साइन करते ही दवाइयों की कीमतें तुरंत कम कर दी जाएंगी। कई सालों से देख रहा हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रिस्क्रिप्टिड ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स के दाम अन्य देश की तुलना में काफी ज्यादा हैं, लेकिन क्यों हैं, यह आज तक समझ नहीं पाया। कभी-कभी एक कंपनी द्वारा एक प्रयोगशाला या प्लांट में निर्मित एक दवा की तुलना में 5 से 10 गुना ज्यादा महंगी होती हैं? ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने बताया कि फार्मा कंपनियां रिसर्च और निर्माण लागत को दवाइयों की ऊंची कीमतों का कारण बता रही हैं।

कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

पिछली टेस्ट सीरीज में 25 रन से कम का औसत रहा, 123 टेस्ट में लगा चुके 30 शतक

इंग्लैंड दौरे से पहले लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, ईएमएस। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। कोहली ने इंग्लैंड दौरे से पहले यह बड़ा फैसला लिया है। रोहित शर्मा के बाद कोहली का टेस्ट से संन्यास लेना भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका है। कोहली क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में लंबे समय से रनों के लिए जूझ रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में कोहली का बल्ला पूरी तरह से खामोश रहा था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की धरती पर खेली गई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में भी किंग कोहली कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट लिखते हुए टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। कोहली का बल्ला क्रिकेट का सबसे लंबे फॉर्मेट में काफी समय से खामोश चल रहा था। वहीं, रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कोहली के रिटायरमेंट को लेकर भी अटकलें तेज हो गई थीं।

विराट ने लिखा भावुक पोस्ट

विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने लिखा, ञ्चटेस्ट ि केट में इस ब्लू जर्सी को मैंने 14 साल पहले पहना था। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉर्मेट मुझे इतनी ऊंचाइयों तक लेकर जाएगा। इस फॉर्मेट ने मुझे टेस्ट किया, मेरे करियर को शेप दिया और मुझे कई ऐसी सीख दीं, जिन्हें मैं अपनी आगे की जिंदगी में याद रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए निजी तौर पर काफी खास रहा है। चुपचाप मेहनत करना, लंबे दिन, छोटे-छोटे मोमेंट जिनको कोई नहीं देखता है, लेकिन वह हमेशा आपके साथ रहते हैं। कोहली ने आगे लिखा, मैं इस फॉर्मेट से खुद को दूर कर रहा हूं और यह मेरे लिए आसान नहीं है। हालांकि, इस समय यह सही लग रहा है। मैंने अपना सबकुछ इस फॉर्मेट को दिया, जो भी मेरे पास था और बदले में इस फॉर्मेट से मुझे बहुत कुछ मिला, जिसकी शायद मैंने उम्मीद भी नहीं की थी। मैं इस फॉर्मेट से अलविदा ले रहा हूं, लेकिन मेरा दिल कृतज्ञता से भरा हुआ है। इस गेम के लिए और उन लोगों के लिए, जिनके साथ मैंने फील्ड शेयर की, इसके साथ ही उन सभी लोगों का भी धन्यवाद जो इस रास्ते में मेरे साथ चले। मैं हमेशा ही अपने टेस्ट करियर की तरफ मुड़कर स्माइल के साथ देखूंगा।

एनआईएके हाथ लगी बड़ी सफलता

खालिस्तानी आतंकी कश्मीर सिंह गलवड्डी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली • ईएमएस
yashbharat.co.in

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को खालिस्तानी आतंकवादी कश्मीर सिंह गलवड्डी को गिरफ्तार किया। वह विदेशी बब्बर खालसा आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा से जुड़ा हुआ था। वह 2016 में नाभा जेल से भागने वाले कुख्यात अपराधियों में से एक था। बता दें कि यह सफलता तब मिली जब एनआईए ने मोतिहारी पुलिस के साथ मिलकर मोतिहारी बिहार से खालिस्तानी आतंकी साजिश के मामले में लुधियाना, पंजाब के कश्मीर सिंह गलवड्डी को गिरफ्तार किया। एनआईए ने कहा कि नाभा जेल से भागने के बाद से कश्मीर सिंह रिंदा सहित नामित खालिस्तानी आतंकवादियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था।

एनआईए ने किया खुलासा

एनआईए ने कहा कि जांच में आतंकवाद-अपराधी गठजोड़ का खुलासा हुआ है, जिसमें पता चला है कि ये आतंकी समूह संगठित आपराधिक गिरोहों के साथ मिलकर देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सीमा पार से हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, आईईडी आदि जैसे आतंकी हार्डवेयर की तस्करी में लगे हुए थे। एनआईए की दिल्ली स्थित विशेष अदालत ने 2022 के आतंकी साजिश मामले में कश्मीर सिंह को भगोड़ा घोषित किया था और पिछले कुछ वर्षों में उसके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए थे। एनआईए ने उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को 10 लाख रुपये का नकद इनाम भी देने की घोषणा की थी।

एनआईए ने कश्मीर सिंह गलवड्डी को किया गिरफ्तार

जांच एजेंसी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि नेपाल, कश्मीर में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और रिंदा के आतंकी गिरोह का एक महत्वपूर्ण नोड एनआईए मामले में साजिश में शामिल होने, खालिस्तानी आतंकवादियों के सहयोगियों को आश्रय, रसद सहायता और आतंकी फंड प्रदान करने से संबंधित भूमिका के लिए घोषित अपराधी था। एनआईए ने कहा कि ये सहयोगी पंजाब पुलिस खुफिया मुख्यालय पर आरपीजी (रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड) हमले सहित भारत में विभिन्न आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के बाद नेपाल भाग गए थे। एनआईए ने कहा कि बीकेआई, खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवाईएफ) जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के प्रमुखों/सदस्यों की आतंकवादी गतिविधियों की जांच के लिए अगस्त 2022 में आतंकी साजिश का मामला स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किया था।

शेयर बाजार में उछाल, सेंसेक्स में 1800 अंक की तेजी, युद्ध रुकने का दिखा असर

नई दिल्ली। पाकिस्तान पर भारतीय सेना के जबरदस्त प्रहार और उसके बाद सीजफायर हो

जाने का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिल रहा है। भारतीय शेयर बाजार आज जबरदस्त उछाल के साथ खुला है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स आज 1349 अंक की बढ़त लेकर 80,803 पर खुला। बाजार खुलते ही मार्केट में भारी खरीदारी देखी गई। इससे सेंसेक्स 2.20 फीसदी या 1753 अंक की बढ़त के साथ 81,207 पर पहुंच गया। सेंसेक्स पैक के 30 शेयरों में से 29 में तेजी और 1 में गिरावट देखने को मिली। उधर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी शुरुआती कारोबार में 2.38 फीसदी या 571 अंक की तेजी के साथ 24,575 पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

इन शेयरों में दिखी तेजी- सेंसेक्स पैक के शेयरों में सबसे अधिक तेजी अडानी पोर्ट्स में 4.43 फीसदी देखने को मिली। इसके बाद एक्सिस बैंक में 3.70 फीसदी, बजाज फाइनेंस में 3.53 फीसदी, बजाज फिनसर्व में 3.44 फीसदी, जोमैटो में 3.41 फीसदी, पावरग्रिड में 3.24 फीसदी, कोटक बैंक में 2.56 फीसदी, एसबीआई में 2.28 फीसदी और टीसीएस में 2.04 फीसदी की तेजी देखने को मिली।

मप्र में बदले जाएंगे भर्ती के नियम, सभी विभागों के लिए होगी समान नियमावली

भोपाल • यशभारत
yashbharat.co.in

समान नियमावली से भर्ती प्रक्रिया में आएगी पारदर्शिता

मध्य प्रदेश के सभी विभागों में कर्मचारियों की भर्ती के नियम समान करने की तैयारी है। इसके लिए आदर्श भर्ती नियमावली बनाई जा रही है। शासन ने इसकी जिम्मेदारी सामान्य प्रशासन विभाग को दी है। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों से इस बारे में सुझाव मांगे हैं। दरअसल, प्रदेश में विभिन्न विभागों में अगले दो-तीन साल में करीब ढाई लाख पदों पर भर्तियां होनी हैं। इसके लिए ही सभी विभागों के भर्ती नियम एक जैसे करने का निर्णय लिया गया है, ताकि कोई नियमसंगत समस्या खड़ी न हो। ऐसा इसलिए, क्योंकि अब तक कई विभागों में भर्ती के कुछ नियमों में भिन्नता है।

कुछ नियम अलग-अलग हैं

मसलन, वन विभाग, शिक्षा विभाग और नगर तथा ग्राम निवेश सेवा भर्ती के कुछ नियम अलग-अलग हैं। इनके आधार पर राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल भर्ती नियम तैयार करके अलग-अलग विज्ञापन निकालते हैं। नियम अलग होने से इन चयन एजेंसियों को विभागवार भर्ती करने में परेशानी होती है और समय भी अधिक लगता है। चूंकि, अब प्रदेश में बड़े पैमाने पर भर्तियां होनी हैं, इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि सभी विभागों के भर्ती नियमों में एकरूपता रहे ताकि भर्ती विज्ञापन जारी करने में विलंब न हो। एक जैसी प्रकृति के विभागों के लिए भर्ती एक साथ करवा दी जाएंगी।

रिपोर्ट के आधार पर भर्ती नियमों को देंगे अंतिम रूप

इससे समय और संसाधन की बचत होगी। इसे देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। सेवानिवृत्त अधिकारियों की एक समिति भी बनाई गई है, जो नियमों का अध्ययन करके रिपोर्ट देगी। इस रिपोर्ट के आधार पर भर्ती नियमों को अंतिम रूप दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नियमों की समानता सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए लागू की जाएगी।

चयन भर्तियों में किया जा चुके हैं बदलाव

बता दें कि हाल ही में राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल की परीक्षाओं को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं। इनके अंतर्गत अब वर्ष में केवल एक बार होंगी। इससे अभ्यर्थियों को बार-बार परीक्षा और फीस नहीं देनी होगी। जनवरी 2026 से नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। इससे भर्ती प्रि या पारदर्शी और समय पर होगी। यह कदम अभ्यर्थियों के हित में माना जा रहा है।

कटाएघाट बैराज में घट रहा जलस्तर, 12 फुट पानी बचा

ऐसे में कैसे बुझेगी दो लाख आबादी की प्यास

नगर निगम ने किए संकट से निपटने के दावे, टेंकरों से की जलापूर्ति

कटनी, यशभारत। पूर्व में किए गए सार्थक प्रयासों के चलते इस वर्ष नगर निगम क्षेत्र में भीषण जल संकट की समस्या जरूर नहीं दिखी, फिर भी नगर निगम क्षेत्र के कुछ वार्डों के नागरिक आज भी पेयजल संकट से जूझ रहे है। लिहाजा नगर निगम ने इसके भी पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं। निगम अधिकारी कहते है कि अभी बैराज में 12 फुट से ज्यादा पानी स्टोर है, हालांकि भीषण गर्मी के चलते पानी का वाष्पीकरण भी हो रहा है, पर फिर भी पूर्व की तरह भीषण जल संकट की स्थिति नहीं है। नदी से होने वाली जल सप्लाई निरंतर जारी है। इस बार मानसून भी जल्द आएगा।

नगरनिगम से मिली जानकारी के अनुसार शहर में 22 हजार 200 से ज्यादा उपभोक्ता है। प्रति उपभोक्ता 135 लीटर पानी के अनुसार सप्लाई हो रही है। नगर निगम के मुताबिक कटनी की जनसंख्या भले ही 2 लाख से ज्यादा हो लेकिन नल कनेक्शन 22 हजार उपभोक्ताओं के पास ही हैं। जिनको यह सप्लाई पूरे सप्ताह हो रही है। कटनी नदी के बैराज की हाइट 12 मीटर हाइट है। नगर निगम के सहायक यंत्री मदुल श्रीवास्तव बताते है कि गर्मियों के दिनों में कुछ वार्डों में जल संकट की आहट रहती है, लिहाजा कलेक्टर व निगम आयुक्त और महापौर, विधायक के सार्थक प्रयास नगर निगम द्वारा पेयजल मुहैया करवाने के लिए विभिन्न वार्डों में ट्यूबवेल का उत्खनन करवाया जा रहा है। टैंकरों के माध्यमों से भी जनता को पेयजल मिल रहा है। निरंतर नगर निगम पेयजलापूर्ति के लिए कार्य कर रही हैं।

फरवरी से गहरा जाता हैं जल संकट

जिले में गंभीर जलसंकट की आहट फरवरी के शुरूआती सप्ताह से ही होने लगी थी जिसका असर पठारी इलाको में देखने को मिला भी ग्रामीण जन पेयजल के लिए संघर्षरत भी दिखे लेकिन शहरी इलाके में जल संकट की खबरे यदाकदा ही आई। भीषण गर्मी के दौर में कटनी नदी में पानी का प्रवाह कम हो गया है और अमकुही बैराज का जलस्तर गिरने से के नगर निगम की चिंता भी बढ़ गई थी। लेकिन मानसून की आहट के बाद निगम अधिकारियों में राहत है।

इन वार्डों में अधिक परेशानी

शहर के 19 वार्डों में जल संकट रहता है। इन्हीं वार्डों में जलप्रदाय योजना के तहत पेयजल की सप्लाई की जाती है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम सीमा क्षेत्र कुल 779 हैंडपंप चालू हालत में है जिनसे पीने योग्य पानी आ रहा है। वही 230 हैंडपंपों की अलग अलग स्थिति है, इनमें से कुछ तो पानी की कमी की बजह से डेड हो चुके ए कुछ में पीने योग्य पानी नही हैए केवल निस्तार के लिए यूज किया जा सकता है। 271 मोटरपंप में सभी चालू हालात में है। जिनसे वार्डो में पेयजलापूर्ति की जा रही है, फिलहाल नगर निगम सीमा पूर्व के वर्षो की तरह में पेयजल संकट की स्थिति नही है। बाबजूद इसके आवश्यकता पड़ने पर नए हैंडपंपों का भी खनन किया जा सकता है। जिसकी अनुमति विभाग ने ले रखी है। नगर निगम ने अपनी पेयजलापूर्ति को व्यवस्थित सुधार इत्यादि कार्य के लिए कुछ रखने लगभग 20 लोगों को ग्रीष्मकालीन व्यवस्था में सहयोग के लिए रखा है। जिनसे पाइप लाइन सप्लाई, हैंडपंप की मरम्मत इत्यादि कार्य लिए जा रहे है। नगर निगम ने शहर के विभिन्न स्थलों में करीव 10 प्याऊ भी खोल रखे है, जिनमे ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। निगम अधिकारियों ने बताया की हमारी टीम निरंतर शिकायतों का निराकरण कर रही है। अभी कटायेघाट के बैराज में करीव 12 फीट से ज्यादा पानी है। हालांकि भीषण गर्मी के दौर में रोजाना करीब दो से ढाई इंच पानी वाष्पीकरण के कारण घट रहा है। पूर्व के वर्षों की भांति चिंता जनक हालात नही है। इसके अलावा पीएचई विभाग द्वारा भी शहर के कुछ वार्डो में विधायक निधि से हैंडपंपों का खनन किया गया है।

टेंकरों से भी सप्लाई जारी

निगम अधिकारी सुधीर मिश्रा ने बताया कि गंभीर पेयजल संकट से निपटने हमने सभी इंतजाम कर रखे है। निगम के करीब 22 टेंकरो से भी लगातार शहर के वार्डो में पेयजलापूर्ति की जा रही है। इस कार्य के लिए किराए से 6 ट्रेक्टर लगाए है। तिलक कालेज, अमीरगंज, बस स्टेंड जैसे एरिये ट्रेंकरो से सप्लाई जारी है। शहर में जब बिजली की समस्या होती है तो ट्रेकरों की मांग बढ़ जाती है। शादी विवाह के अलावा अन्य कार्यक्रमों में ट्रेंकरो से सशुल्क जलापूर्ति की जाती है। इसके अलावा नगर निगम ने शहर के विभिन्न हिस्सों में करीब 20 प्याऊ भी खोले है जिसने शीतल पेयजलापूर्ति की जा रही है।

इनका कहना है

नगरीय क्षेत्र में पेयजल संकट के आसार कम से निरंतर इसकी समीक्षा की जाती है। नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले इसके लिए सभी प्रयासरत रहते है।

-नीलेश दुबे,
निगमायुक्त

कब वापस आएंगे हवाई पट्टी के लेप्स हुए 49 करोड़

कम से कम पासपोर्ट ऑफिस ही खोल दे सरकार, नागरिकों को मिलने लगे सुविधाएं

कटनी, यशभारत। कटनी जिले में पासपोर्ट कार्यालय खोले जाने की मांग बढ़ती जा रही है। हवाई पट्टी का सपना तो पता नहीं कब पूरा होगाए कम से कम पासपोर्ट कार्यालय की सौगात तो मिल ही सकती है ताकि लोगों को भोपाल और सतना के चक्कर न काटना पड़े। सांसद ने इस सिलसिले में सालभर पहले केंद्रीय विदेश मंत्री को पत्र लिखा था, लेकिन इस पर अब तक विचार नहीं किया गया। दूसरी बात यह कि कटनी में एयर स्ट्रिप के लिए आई 49 करोड़ की राशि जगह जगह फाइनल न हो पाने की वजह से वापस लौट चुकी है। उस राशि को हवाई पट्टी के लिए स्थान तय करने के साथ फिर से स्वीकृत कराया जाए।

प्रदेश सरकार के खजाने में राजस्व के रूप में एक बड़ा हिस्सा देने वाला कटनी जिला हवाई पट्टी व एयरपोर्ट की सुविधा से वंचित है। औद्योगिक व व्यापारिक नगरी, रेलवे का बड़ा हब होने के बाद भी ये सुविधाएं दूर की कौड़ी नजर आ रही हैं, क्योंकि जनप्रतिनिधि और सरकार यहां पासपोर्ट कार्यालय तक खुलवा नहीं सके हैं। विदेश जाने की चाह रखने वाले लोगों के लिए पासपोर्ट के लिए जिले के लोगों को उसे बनवाने खासा परेशान होना पड़ रहा है। जिले में सुविधा न होने से लोगों को जबलपुर या फिर सतना जाकर पासपोर्ट की प्रक्रिया पूरी करानी पड़ रही है। आमजन यहां लंबे समय से पासपोर्ट कार्यालय खोलने की मांग कर रहे हैं। कटनी जिला कई जिलों का व्यापारिक हब है। शहर की बड़ा व्यवसायिक क्षेत्र है, जिसके चलते लोगों का न सिर्फ घूमने के लिहाज से बल्कि कारोबार के लिहाज से भी विदेशों से जुडऩा आम बात हो गई है। प्रदेश में पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा भी चल रही है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, खजुराहो और सिंगरौली एक-दूसरे से कनेक्ट हो गए है लेकिन कटनी इससे अबतक अछूता है। जानकारी के अनुसार पासपोर्ट के लिए पहले तो लोगों को ऑनलाइन आवेदन करना पड़ता है। इसके लिए पहले दस्तावेज आदि सत्यापन के लिए जबलपुर, सतना, भोपाल, सागर जाना पड़ता है। वहां की प्रक्रिया के लगभग एक सप्ताह बाद फिर थाना से वेरीफिकेशन होता है। थाने के बाद फार्म ऑनलाइन एसपी कार्यालय जाते हैं, जहां से फिर ओके कर पासपोर्ट कार्यालय भेजे जाते हैं। जिले में हर दिन 8 से 10 लोग पासपोर्ट बनावाने के लिए पहुंचते हैं, जिन्हें जहां पर स्लॉट खाली होने पर बुकिंग मिलती है। भोपाल, सतना, जबलपुर आदि के जिलों में जाना पड़ता है। कोई आपराधिक रिकॉर्ड न होने व होने पर आगे की कार्रवाई होती है।

शहर में कार्यालय होने से मिलेगा फायदा

शहरवासियों का कहना है कि पासपोर्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उन्हें सत्यापन प्रक्रिया के लिए सतना जाना पड़ा। इसमें समयए रुपये दोनों की बर्बादी हुई। शहर में ही कार्यालय होने से लोगों को बड़ा फायदा होगा। जिले से हर माह पासपोर्ट के लिए दर्जनों की संख्या में आवेदन होते हैं। लोगों का कहना है कि कटनी में पासपोर्ट कार्यालय खुलने से लोगों को राहत मिलेगी। कटनी में पासपोर्ट बनेगा तो यह लोगों के घर जल्द ही डिलीवर हो जाएगा।

सांसद के पत्र को भी नहीं मिला वेट

जानकारी के अनुसार जिले में पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने को लेकर सांसद वीडी शर्मा ने भी 31 जनवरी 2024 को केन्द्रीय विदेश मंत्री डॉ सुब्रम्हाण्यम जयशंकर को पत्र लिखा था लेकिन अबतक केंद्र नहीं खुल सका। पत्र में बताया गया था कि जिले में पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुविधा न होने से कटनी के नागरिकों को जबलपुर और सतना पासपोर्ट बनवाने के लिए जाना पड़ता है। कटनी जिला व्यापारिक, औद्योगिक एवं खनिज उद्योगों के दृष्टिकोण से परिपूर्ण है। इसलिए यहां के लोगों द्वारा बहुत समय से पासपोर्ट सेवा केंद्र की मांग की जाती रही है।

पेपरलेस विद्युत बिलों की त्रुटि में सुधार को लेकर उपभोक्ता परेशान

कटनी, यशभारत। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में जब से पेपरलेस विद्युत बिल हुए हैं तभी से उपभोक्ताओं की परेशानी एकदम से बढ़ गई है। रोजाना इस तरह का माहौल देखने को मिलता है। किसी भी त्रुटि या परेशानी के चलते बिजली कंपनी ने 1912 में शिकायत करने को कह रखा है लेकिन वास्तव में इस नंबर पर शिकायत की सुनवाई नहीं होती है।

उपभोक्ताओं की परेशानी इस कदर बढ़ी हुई है कि पेपरलेस विद्युत बिल जारी होने के बाद यदि बिल में कोई त्रुटि हो तो उसमें सुधार की प्रक्रिया बहुत जटिल है। बिजली कंपनी के कार्यालय में जाने पर पता चलता है कि उपभोक्ताओं को ही बिल का प्रिंट बाहर से कहीं से निकाल कर लाना है। एमपी ऑनलाइन से निकालना है और इस तरह की परेशानियां इस कदर है कि सहयोग करने को कोई तैयार नहीं है। बिजली बिल भुगतान के लिए बिजली कंपनी के कार्यालयों पर अधिकतर वहीं लोग पीड़ित उपभोक्ता जो वरिष्ठ नागरिक हैं। वह जाते हैं लेकिन जिस तरह से जोनल स्तर पर परेशानी उनको झेलना पड़ती उसके कई मर्तबा शिकायतें भी की गई है। उपभोक्ता एकल खिड़की पर पहुंचते हैं तो उन्हें ऑनलाइन भुगतान की बात ही कही जाती है। अधिकतर उपभोक्ता एकल खिड़की पर सीधे भुगतान के लिए पहुंचते हैं पर यहां पेपरलेस बिल की प्रिंट भी नहीं निकाली जाती और बाहर से लाने को बोलते हैं। इस तरह की परेशानी के बीच मजबूरन लोगों को इधर.उधर घूमना पड़ता है। उनका काम नहीं होना चाहिए होता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यह व्यवस्था बिजली कंपनी ने बिना तैयारी के लागू की है जबकि ऐच्छिक व्यवस्था होना चाहिए ताकि उपभोक्ता आराम से भुगतान कर सके। बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार कंपनी के निर्देश पर उक्त व्यवस्था तो शुरू की है लेकिन उपभोक्ताओं की व्यवस्था को भी ध्यान में रखना अनिवार्य है।

नहीं निकालते उपभोक्ताओं के बिल की प्रिंट

विद्युत कंपनी के सिविल लाइन मुख्य कार्यालय और शांतिनगर सब स्टेशन में लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। पेपरलेस योजना शुरू होने के बाद परेशानी कम होने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है। 1912 पर फोन ही नहीं लगता या घंटों इंगेज ही रहता है। इस तरह की परेशानियों को लेकर बार बार उपभोक्ता कार्यालय के चक्कर लगाने के लिए मजबूर है। अधिकारियों का कहना है कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए निर्देश दिए गए हैं।

मदर्स डे पर मातृशक्ति का अभिनंदन

जनपरिषद के नवमनोनित पदाधिकारियों का भी सम्मान

कटनी, यशभारत। सामाजिक संस्था जनपरिषद द्वारा मदर्स डे पर मातृशक्ति का अभिनंदन किया गया। जनपरिषद के अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव प्रखर के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती शीलरानी राय का सम्मान तिलकवंदन और पुष्पगुच्छ से किया गया। इसी क्रम में अन्य माताओं का अभिनंदन भी किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस सृष्टि को रचने वाली मां सबसे महान है। वह सारे कष्ट सहकर भी अपने बच्चों का अच्छा इंसान बनाती है। मां का जीवन किसी तपस्वी की भांति ही होता है। कार्यक्रम में जनपरिषद की नव मनोनीत वूमन अध्यक्ष और प्रदेश सचिव श्रीमती सीमा चौधरी और कटनी चैप्टर के अध्यक्ष व प्रदेश सचिव राजेश प्रखर का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में वूमन विंग की राष्ट्रीय सचिव शिल्पी सोनीए कॉर्डिनेशन टीम की मेंबर गीता पाठक, पंकज खरे, गीतांजलि श्रीवास्तव, आशीष सोनी, स्नेहा, एकता, सुनेहा, पार्वती राय, कान्हा चौधरी आदि की उपस्थिति रही। कान्हा ने मां की महिमा पर सुंदर प्रस्तुति दी। इस मौके पर जनपरिषद की आगामी कार्ययोजना भी तैयार की गई। नई इकाई के शपथ ग्रहण के लिए गीता पाठक को कार्यक्रम संयोजक बनाया गया है।

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठक कल

कटनी, यशभारत। देश की सीमा में चल रहे तनाव के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा के परिपेक्ष्य शहर की आन्तरिक सुरक्षा और शहर में यातायात पर बढ़ते हुए दबाब और उसके तत्कालीन व्यवस्था को लेकर कल 13 मई मंगलवार को शाम 5 बजे पुलिस कंट्रोल रूम कलेक्ट्रेट के पास पुलिस अधीक्षक अभिजीत रजन की अध्यक्षता में ट्रांसपोर्ट एसोशिएशन की आवश्यक बैठक होने जा रही है। इस सबंध में ट्रांसपोर्ट एसोशिएशन के अध्यक्ष बी एम तिवारी ने सभी ट्रांसपोर्टर मोटर मालिकों से निर्धारित समय में बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव कल

कटनी, यशभारत। श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर रोशन नगर का वार्षिकोत्सव समारोह कल 13 मई को आयोजित किया गया है। श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर विकास समिति ने बताया कि इस अवसर पर सुबह 9 बजे से अभिषेक व हवन, दोपहर 2 बजे से कन्या भोजन एवं भंडारा एवं शाम को 8 बजे से महाआरती का आयोजन किया गया है। श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर विकास समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से आयोजन में पहुंचकर पुण्यलाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

आपदा से निपटने हर समय तैयार रहे प्रशासन

नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर बैठक

अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश, कस्बों व ग्राम पंचायत स्तर पर की जाए तैयारी

कटनी, यशभारत। राष्ट्रीय परिस्थितियों और वर्तमान परिदृश्य के दृष्टिगत प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुखों के साथ सुरक्षा प्रबंधों सहित अन्य जरूरी इंतजामों को और बेहतर एवं सुदृढ़ बनाने के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर दिलीप यादव, एसपी अभिजीत कुमार रंजन सीईओ शिशिर गेमावत, रेलवे एरिया मैनेजर रोहित सिंह, ओएफके के मोहित गोस्वामी, अपर कलेक्टर साधना परस्ते, एएसपी डॉ संतोष डेहेरिया, संयुक्त कलेक्टर संस्कृति शर्मा, निधि सिंह गोहल, ज्योति लिल्हारे, डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी, विवेक गुप्ता, एसडीएम कटनी प्रदीप मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बैठक में निर्देशित किया कि जिला स्तर पर पुलिस कंट्रोल रूम के साथ कलेक्ट्रेट स्थित नियंत्रण कक्ष भी कार्य कर रहा है। फायर ब्रिगेड सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली की सप्लाई, पेयजल व्यवस्था नियमित रूप से बनी रहे। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए आपातकालीन स्थिति में आंतरिक एवं नागरिक सुरक्षा के सभी इंतजामों को और भी बेहतर करना है। इसके लिए सभी अधिकारी तैयारियों के साथ अलर्ट रहें। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर वालिंटियर्स की नियुक्ति कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये गये। बैठक में कलेक्टर श्री यादव ने सभी राजस्वए पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की जरूरी सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

चयनित वालंटियर्स को दिलाएं ट्रेनिंग

आपदा की स्थिति में गैर सरकारी संगठनों, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी और सिविल स्वयं सेवकों की भागीदारी वालेंटियर्स के माध्यम से सुनिश्चित की जाकर होमगार्ड के माध्यम से शीघ्र ही ट्रेनिंग दिलाई जाए, जिससे राहत एवं बचाव कार्य मे प्रभावी सहयोग मिल सकें। जिले के सभी अस्पतालों में सभी प्रकार की आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां एवं उपकरण सहित डॉक्टर्स की सूची उपलब्ध रखें। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि डॉक्टर स्टॉफसहित उपस्थित रहें तथा ब्लड बैंक में सभी ग्रुपों के रक्त और आक्सीजन आदि की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखें। सोशल मीडिया पर पूर्ण निगरानी रखी जाए।

भड़काऊ पोस्ट पर तत्काल होगी कार्यवाही

भड़काऊ पोस्ट अथवा सामग्री पर तुरंत संज्ञान लेकर कार्यवाही की जाएं। आपात स्थिति में पर्याप्त खाद्य सामग्रीए पेट्रोलए डीजल एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हों। जिले में संवेदनशील स्थलों की जानकारी अद्यतन की जाकर उक्त स्थलों में पुलिस एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट हर गतिविधि पर नजर रखें। एसपी रंजन ने बैठक के दौरान अधिकारियों से कहा कि सिविल सप्लाई फूड की स?टॉकिंग एवं ट्रांसपोर्टेशन की प्लानिंग पहले से तैयार रखें ताकि रिस्पांस टाइम कम से कम लगें। इस हेतु इसका व्यवस्थित रूप से शेड्यूल बनाकर अभ्यास करनें के निर्देश भी दिए गए।

भ्रामक प्रचार पर होगी कार्यवाही

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राष्ट्र विरोधी और किसी भी प्रकार के भ्रामक प्रचार पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएं। नागरिकों को अफवाहों पर ध्यान न देने के लिए प्रेरित एवं सूचित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि सोशल मीडिया अथवा अन्य किसी माध्यम से जो भी सूचना प्राप्त होती है उस पर तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही की जाए।

काम्बिंग गश्त : रात भर सड़कों पर घूमी पुलिस

एक सैकड़ा से ज्यादा तत्व सीखचों के पीछे

कटनी, यशभारत। कटनी पुलिस द्वारा जिले में नाइट कांबिंग गस्त ऑपरेशन की कार्यवाही की गई। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के नेतृत्व में जिले के 326 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों ने कांबिंग गस्त को सफल बनाने में कार्यवाही की, जिसमे वारंटियों एवम आदतन अपराधियों को चैक किया गया एवं फरार अपराधियों की धर पकड़ कर गिरफ्तार किया गया। कांबिंग गस्त के दौरान फरार, स्थाई, गिरफ्तारी वारटिंयों, जिला बदर के आरोपियों एवं अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त रहने वाले असामाजिक तत्वों को चैक किया गया। 106 से ज्यादा वांरटों को तामील कराया गया, इनमें से 24 फरार स्थायी वारंट, 82 गिरफ्तारी वारंट एवं जमानती वारंट एवं समंस तामील किये। कॉम्बिंग गस्त के दौरान जिले में 76 से अधिक गुंडा बदमाशों को चेक किया एवं 63 से अधिक निगरानी बदमाशों को चेक कर उनकी जीवन यापन के तौर तरीकों को जाना। अवैध शराब परिवहन एवं विक्रय करने पर प्रतिबंध लगाने हेतु कटनी पुलिस ने कम्बिंग गस्त के दौरान कुल 54 आरोपियों के विरुद्ध 54 आबकारी के प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम विवेचना में लिए गए। आर्म्स एक्ट के अंतर्गत 1 आरोपी के पास अवैध हथियार पाए जाने पर उनके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज किया गया। जुआ अधिनियम के अंतर्गत जुआ खेलते पाये जाने पर जुआड़ियों के विरूद्ध 3 प्रकरण कायम किये गये। धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत परिशांति भंग करना पाये जाने पर अलग.अलग स्थानों पर 10 आरोपियों के विरूद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गयी। धारा 126, 135 बीएनएसएस अंतर्गत परिशांति कायम रखने हेतु 95 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 126, 135 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गयी। धारा 129 बीएनएसएस के अंतर्गत परिशांति कायम रखने हेतु 24 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 129 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गयी। कॉम्बिग गस्त का उद्देश्य जनता में सुरक्षा की भावना एवम अपराधियों में भय का वातावरण उत्पन्न करना है। कटनी पुलिस के द्वारा गुण्डे, बदमाशों, वारंटियों असामाजिक तत्वों एवं अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियो के विरूद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सरहद पर तनाव, कटनी में सुरक्षा चौकस

बिलहरी मोड़ एवं आर्डनैंस फैक्ट्री के पास माधवनगर पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

कटनी, यशभारत। सरहद पर चल रहे तनाव को देखते हुए आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने कटनी पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के मार्गदर्शन में माधवनगर पुलिस ने सघन औचक चेकिंग अभियान संचालित किया, जिसमें संदेहास्पद लोगों तथा वाहनों की जांच की गई। पुलिस ने सबसे पहले

बिलहरी मोड़ पर वाहन चेकिंग की, जिसमें संदिग्ध वाहनों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई। इसके बाद माधवनगर पुलिस ने अमीरगंज एवं इसके आसपास के इलाकों में चेकिंग की, तत्पश्चात थाना प्रभारी अभिषेक चौबे और उनकी टीम ने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के पास सर्वे किया और वहां से निकलने वाले संदिग्ध लोगों की तलाशी ली। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने कहा कि आंतरिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए आगे भी इस तरह की चेकिंग अभियान जारी रहेगी। लोगों से अपील है कि पैनिक ना हो और प्रशासन का सहयोग करें। थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक चौबे ने अपनी टीम के साथ ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा आसपास के लोगों एवं वाहनों की तलाशी ली। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस स्थिति में घबराएं नहीं और प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करें। सतर्कता एवं अनुशासन बनाए रखते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस अवसर पर चौकी प्रभारी झिंझरी प्रियंका राजपूत, उप निरीक्षक दिनेश करोसिया, सहायक उप निरीक्षक शशि भूषण सिंह, सहायक उप निरीक्षक यग नारायण सिंह, प्रधान आरक्षक अविनाश मिश्रा, आरक्षक श्रीकांत, विनोद, नंदन एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

स्लीपर सेल और एजेंसियों पर रखें सतत निगाह

सुरक्षा और शांति बनाए रखने उठाएं सख्त कदम

बैठक में एसपी ने पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश

कटनी, यशभारत। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान परिदृश्य में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए तैयारी पर चर्चा की गई। बैठक में एसपी ने कहा कि पुलिस किसी भी आपातकालीन स्थिति में तत्काल कार्यवाही करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जिले में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस की सक्रियता और तैयारी बहुत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों को निर्देश देते हुए पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने कहा कि संवेदनशील स्थलों पर पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए। आकस्मिक वैकल्पिक रास्तों का रोड मैप तैयार किया जाए। स्लीपर सेल और एजेंसियों पर सतत निगाह रखी जाए। वनरेबल एरिया और उनसे संबंधित व्यक्तियों का डाटा तैयार किया जाए। होटल ढाबों और सार्वजनिक ठहरने के स्थानों की लगातार चेकिंग की जाए। थाना स्तर पर नागरिकों और सामाजिक संगठनों से संपर्क रखा जाएगा और 100 सिविल वॉलिंटियर्स तैयार किए जाएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग को रोकने के लिए एडवाइजरी जारी की जाएगी। एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि वे पुलिस का सहयोग करें और किसी भी आपातकालीन स्थिति में पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि जिले में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस और नागरिकों का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है।

संयुक्त कलेक्टर निधि गोहल बनी एसडीएम ढीमरखेड़ा

कटनी, यशभारत। कलेक्टर ने प्रशासकीय एवं कार्यालयीन कार्य सुविधा की दृष्टि से जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के पूर्व में जारी कार्य आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए कलेक्ट्रेट में पदस्थ संयुक्त कलेक्टर निधि गोहल को अनुविभाग ढीमरखेड़ा का अनुविभागीय अधिकारी राजस्वम पदस्था किया है। कलेक्टर द्वारा रविवार को जारी किये गए आदेश में अब तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ढीमरखेड़ा के पद पर रहीं विंकी उइके को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर के तौर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में पदस्थ कर दिया गया है। इसी आदेश में कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर निधि गोहल द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में संभाले जा रहे समस्त कार्य दायित्व प्रभारी डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंह उइके को सौंप दिया है।

थाने में लगी गुंडे-बदमाशों की क्लास

अपराध न करने और व्यवस्था न बिगाड़ने दी समझाइश

कटनी, यशभारत। रीठी थाना क्षेत्र के गुंडा बदमाशों को थाने बुलाकर पूछताछ की गई और उन्हें अपराध न करने और शांतिपूर्वक रहने की हिदायत दी गई। रीठी पुलिस की इस कार्रवाई से बदमाशों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने साफ कहा कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस का उद्देश्य क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। रीठी थाना प्रभारी राखी पांडे ने कहा कि पुलिस लगातार गुंडा बदमाशों पर नजर रख रही है और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करेगी। रीठी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे पुलिस का सहयोग करें और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इससे जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में मदद मिलेगी।

अमृत सरोवर बनिया नाला के निर्माण की स्वीकृति

24.18 लाख रूपये से होगा निर्माण

कटनी, यशभारत। कलेक्टर ने जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के ग्राम पंचायत बरेलीबार के ग्राम भनपुराकलां में अमृत सरोवर बनिया नाला के निर्माण हेतु 24 लाख 18 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। यह निर्माण कार्य 15वें वित्तीय आयोग एवं मनरेगा मद से कराया जायेगा। इस कार्य के लिए क्रियान्वयन एजेंसी ग्राम पंचायत बरेलीबार को बनाया गया है। कलेक्टर ने कहा कि कार्य के लिए प्रदत्त प्रशासकीय स्वीकृति में ही कार्य पूर्ण किया जाय। यदि स्वीकृत राशि से अधिक राशि व्यय की जाती है तो इसका दायित्व क्रियान्वायन एजेंसी का होगा, साथ ही कार्य मनरेगा योजना से स्वीकृत है, इसलिए ठेका पद्धति से कार्य किया जाना प्रतिबंधित है। इसके अलावा निर्माण कार्य का संपादन स्वीककृत प्राक्कलर रूपांकन, समाहित मानक के अनुसार किया जाए। निर्माण कार्य में उचित गुणवत्ताकपूर्ण निर्माण सामग्री का उपयोग किया जाए। साथ ही कार्यस्थकल पर क्रियान्वायन एजेंसी द्वारा मजदूरों को पीने का पानी, फस्टा एड किट, छाया की व्यावस्था, छ वर्ष से कम आयु के पांच से अधिक बच्चों, पर झूला घर, 6 वर्ष कम उम्र के पांच से अधिक बच्चे हो तो पृथक से एक महिला को बच्चों को देखरेख हेतु रखा जाए।

हर परिस्थिति से निपटने के लिए रहें तैयार

स्लीमनाबाद थाने में बैठक, स्थानीय नागरिकों के साथ चर्चा

कटनी, यशभारत। स्लीमनाबाद थाने में थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया द्वारा आपदा प्रबंधन के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। थाना प्रभारी अखिलेश दहिया ने नागरिकों को आपदा की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए तैयार रहने। आवश्यक दस्तावेज, खाने-पीने की सामग्री, दवाइयां और मोबाइल चार्जर साथ में रखने। सोशल मीडिया पर गलत सूचना और अफवाहें न डालने। साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए सतर्क रहने। संदिग्ध स्थिति में पुलिस को तुरंत सूचित करने जैसी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया।

आपदा की स्थिति में सतर्कता के साथ रहें सजग

यातायात पुलिस ने ने बस एसोसिएशन, आटो संघ के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

कटनी, यशभारत। भारत सरकार के निर्देश एवं प्रदेश शासन के आदेश एवं यातायात पुलिस ने मिशन चौक यातायात पुलिस चौकी में बस एसोसिएशन एवं आटो संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। यातायात प्रभारी राहुल पांडे ने वर्तमान हालातों को देखते हुए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, नागरिकों के साथ आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक चर्चाएं की। वर्तमान स्थिति के अनुकूल किसी खतरनाक स्थिति में जिसमें क्षतिग्रस्त होने पर जो व्यवस्थाएं आवश्यक हैं, उनके लिए सजग रहकर जागरूक करना एवं मॉक ड्रिल के समय ब्लैक आउट होने पर किसी भी प्रकार की रोशनी अपने घरों पर न करने साथ ही आवश्यक दस्तावे, कुछ खाने पीने की सूखी सामग्री, आवश्यक दवाइयां, मोबाइल चार्ज, पावर बैंक, सभी साथ में रखने की जानकारी दी गई।

फास्ट रेन्टल सर्विस
गणपति मार्केटिंग
मकान, दुकान, प्लाट, ऑफिस, शोरूम किराये से एवं क्रय विक्रय हेतु उपलब्ध है
घनश्याम रतनानी
मित्तल इन्क्लेव, झिंझरी, कटनी
मोबाइल - 9827075198
घनश्याम रतनानी

RESEARCH INDIA GROUP JABALPUR
मंडपम
सेल-मात्र 4200/- में 4 पीस ब्रांडेड सूट प्राप्त करें
ETHNIC WEAR
यहां आप पाएंगे संपूर्ण वैवाहिक परिधान एक ही छत के नीचे
कोट सूट | शेरवानी | लेडी वेर्स्टन | लहंगा चुनरी
कुर्ता पैजामा | कोटी | जींस | टाउजर | शर्ट
मो. 9303227749
हंजन टॉवर - 1st Floor, ICICI बैंक के पास, बरगवां रोड, वार्ड नं. 28. बिल्डिंग नं. 1006, कटनी (म.प्र.)

चाहे चाहिए हो टाईल, ग्रेनाईट या बाथरूम सेनेटरी आईये
टाईल एम्पोरियम
orientbell | SOMANY
टाईल एम्पोरियम में आप का स्वागत है।
टाईल, ग्रेनाईट, मार्बल, एडेसीव, कोटा, कड़प्पा, सेनेटरी प्रोडक्ड
जहाँ मिलती है बेहतर क्वालिटी उचित दाम में
टाईल एम्पोरियम
शारदा फर्नीचर के बाजू में जबलपुर कटनी रोड, बरगवाँ कटनी
Mob.: 9238005599, 9201105599, 9201091559

धर्मलोक हॉस्पिटल
पता- आदर्श कॉलोनी रोड, जयप्रकाश वार्ड, नई बस्ती, कटनी
फोन- 07622- 422390, 796084, मो. नं.- 8305402024
अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं
जनरल सर्जरी विभाग, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, अस्ति रोग विभाग, मेडिसन विभाग, नवजात एवं शिशु विभाग, दंत विभाग, एक्टसीडेंट एवं ट्रामा यूनिट
आयुष्मान कार्ड से भी इलाज की सुविधा
24 घंटे-सीटी स्केन सुविधा, एम्बुलेंस सुविधा, मेडिकल स्टोर्स, इमरजेंसी एवं भर्ती की सुविधा

SHRI HOSPITAL KATNI
डॉ. सुजाता त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस.एम.एस.डी.एन.बी.
(प्रसूति एवं स्त्री रोग)
सोमवार से शुक्रवार शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक उपलब्ध
आपात स्थिति के लिए सभी सातों दिन उपलब्ध रहेंगी
विश्वसनीय आईसीयू केयर, जनरल दूरबीन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, फिजीशियन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध विभाग- कान, नाक एवं गला, दंत रोग, एडवांस एंडोस्कोपी यूनिट, मेडिसिन, स्त्री रोग, शिशु रोग, निश्चेतना, अस्थि रोग, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी
संपर्क करें- श्री हॉस्पिटल
एम.एम. चौबे वार्ड बरगवां, जिला-कटनी (म.प्र.)
मो. 9425325316, 9425151543, 9752414316

संपादकीय

संप्रभुता-नागरिक सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

अंततः भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम घोषित कर दिया गया, लेकिन उसे पूर्णतः लागू करने का सच अभी सामने आना है। दरअसल भारतीय सेनाओं के घातक प्रहारों से जब पाकिस्तान के 6 महत्वपूर्ण एयरबेस और एयर डिफेंस, रडार सिस्टम और करीब 25 फीसदी वायुसेना का बुनियादी ढांचा तबाह हो गया, 'मिट्टी-मलबा' हो गया, तब पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा।

दूसरी ओर अमरीका को खुफिया सूत्रों से लीड्स मिल रही थीं कि यह टकराव, अंततः, लंबे युद्ध में तबदील हो सकता है। अमेरिकी राष्टपति ट्रंप की पोस्ट सार्वजनिक होने से पहले ही शनिवार सुबह 9 बजे पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल कशीफ अब्दुल्ला ने भारत के समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर युद्धविराम की गुहार लगाई थी। अपराह्न 3.35 बजे दोनों अधिकारियों ने 'हॉटलाइन' पर एक बार फिर बातचीत की और युद्धविराम की शुरुआती सहमति बनी। इसके पहले पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया।

विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्टपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी स्रुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है।

कड़वे वचन

महावीर ने कहा द्वेष की तरह राग भी आग है। राग और द्वेष क्या है? इसे यों समझिए कि जब अपना बच्चा रोता है तो दिल में दर्द होता है यह राग है और जब दूसर का बच्चा रोता है तो सिर में दर्द होता है यह द्वेष है। राग और द्वेष दोनों ही संसार के कारण हैं। फर्कइतना है कि द्वेष लोहे की बेड़ी है और राग सोने की। पर हैं तो दोनों की बेड़ियां, जो बंधन का काम करती हैं।

मुनिश्री तरुण सागर

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः- 12 मई 2025
दिन-सोमवार, मास- वैशाख शुक्ल पक्ष
विक्रम संवत 2081

मेष – बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष – घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन – उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क – 'रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रुपाय नमः का जाप करें

सिंह – वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या – कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला – धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक – मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु – आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर – घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ – दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन – लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

(अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई) पर विशेष)

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी आज हम 205वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को ही 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 203 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खुबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

योगेश कुमार गोयल

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर सभी नर्सेस को सादर समर्पित

सेवा अपना कर्म बना कर, दुनिया को दिखलाया है।
मानवता को हमनें केवल, अपना धर्म बनाया है।
गणवेष शांति का परिचायक, स्वेत रंग स्वीकार किया
स्टेथो सिरिंज उपकरण, इनसे ही श्रृंगार किया
अपनें परिचारण से ही, मरता इंसान बचाया है ।।
मानवता को हमनें केवल अपना धर्म बनाया है ।।
रोग निदान,उपचार ,प्रसव या, शल्य चिकित्सा हो भारी।
जितनी एक चिकित्सक की, उतनी है जिम्मेदारी।
कोना कोना हॉस्पिटल का, हमसे ही मुस्काया है।।
मानवता को हमने केवल, अपना धर्म बनाया है ।।
कठिनाई तो आतीं कितनी, उनसे कब घबराते हम ।
जान बचाने की ख़ातिर ही, अपनी जान लगाते हम।
कितनी बार मौत को हमनें बेरँग ही लौटाया है।।
मानवता को हमनें केवल, अपना धर्म बनाया है।।
हम भी बहन बेटियाँ हैं घर द्वार हमारा है सुंदर।
बुरी नज़र के हमको भी तो, चुभते हैं दिल में नश्तर।
जिसनें भी यह कोशिश की है, उसको सबक सिखाया है।।
मानवता को हमनें केवल, अपना धर्म बनाया है ।।

डॉ राजेश प्रखर

संत कवि सूरदास की कृष्ण आराधना

सूरदास की जयंती 12 मई 25, पर विशेष)

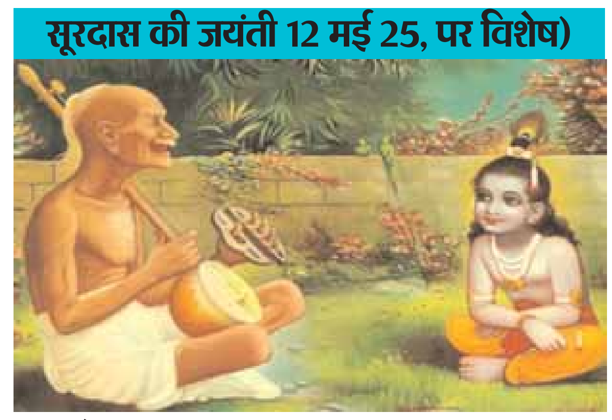

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सूरदास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को सूरदास जयंती (स्ढ्ढ्रस्ड्ढ्ड छ्वड्ड4ड्ढठ्ठह्लद्ब 2024) के रूप में मनाया जाता है। अतः सूरदास की जयंती 12 मई 2024 को है।उनके पिता का नाम पंडित था। रामदास सारस्वत ब्राह्मण और माता का नाम जमुना दास था। सूरदास के पिता एक प्रसिद्ध गायक थे। सूरदास के जन्मांध होने की कई कहानियाँ प्रचलित हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि वह जन्म से ही अंधे थे, जबकि अन्य का मानना है कि वह बाद में अंधे हो गये। फरीदाबाद के निकट जी गाँव में उनका जन्म हुआ था वे जन्म से ही अंधे थे इसलिए उनका नाम सूरदास हुआ उन्होंने सूरसागर आदि महान रचनाओं की रचना की थी। सूरदास ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पिता से प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने संस्कृत, व्याकरण, साहित्य और संगीत का अध्ययन किया। वह एक कुशल गायक और कवि थे। एक बार सूरदास की भेंट श्री वल्लभाचार्य से आगरा के निकट गऊघाट पर हुई। वल्लभाचार्य ने उन्हें पुष्टिमार्ग में दीक्षित किया और कृष्णलीला के पद गाने का आदेश दिया। वल्लभाचार्य के शिष्य के रूप में सूरदास ने कई वर्षों तक कृष्णलीला के कई पद गाए और लिखे। सूरदास को वल्लभाचार्य का शिष्य माना जाता है। वे मथुरा के गऊघाट स्थित श्रीनाथ जी के मंदिर में रहते थे। सूरदास का भी विवाह हो गया। आपको बता दें कि अलग होने से पहले वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वल्लभाचार्य से मिलने से पहले सूरदास विनम्रता के पद गाते थे, लेकिन जब वे वल्लभाचार्य से मिले और उनके संपर्क में आए तो उन्होंने कृष्णलीला गाना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि तुलसी की मुलाकात एक बार मथुरा में सूरदास जी से हुई और धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम की भावना बढ़ती गई। ऐसा माना जाता है कि तुलसीदास ने सूरदास के प्रभाव में आकर श्री कृष्ण गीतावली की रचना की थी। सूरदास की सबसे प्रसिद्ध रचना सूरसागर है। यह एक महाकाव्य है जिसमें कृष्णलीला का वर्णन है। इस महाकाव्य में सूरदास ने कृष्ण के बचपन से लेकर उनके द्वारिका प्रवास तक की घटनाओं का वर्णन किया है। इस रचना ने सूरदास को हिन्दी साहित्य का सूर्य बना दिया। वह अपनी रचना सूरसागर के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि उनके काम में लगभग 100000 गाने हैं, लेकिन आज केवल 8000 ही बचे हैं। इन गीतों में कृष्ण के बचपन और उनकी लीलाओं का वर्णन किया गया है।

सूरदास अपनी कृष्ण भक्ति के साथ-साथ अपनी प्रसिद्ध रचना सूरसागर के लिए भी जाने जाते हैं। सूरदास की अनेक गद्य कृति है। इसमें सूरदास ने अपने जीवन और अनुभवों का वर्णन किया है। साहित्य लहरी 118 छंदों की एक लघु रचना है। यह सूरदास की एक काव्य रचना है। इसमें नल और दमयंती के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। यह सूरदास की अनेक काव्य रचना भगवान कृष्ण के प्रति सच्ची भ?ती को दर्शाता है। इसमें कृष्ण और राधा के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। सूरदास एक महान भक्त कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना का परिचय दिया। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। सूरदास एक भावुक कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति के भावपूर्ण रूप को व्यक्त किया है। सूरदास हिन्दी साहित्य के महान कवि थे। उनकी कृतियों ने हिन्दी साहित्य को गौरवान्वित किया है। उनकी कविता का प्रभाव हिन्दी साहित्य के परवर्ती कवियों पर पड़ा। सूरदास की रचनाओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति की भावना सर्वोपरि है। वह भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना दर्शायी है। उनके काव्य में कृष्ण के प्रति प्रेम, सौन्दर्य और करुणा की भावनाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। इनमें छंद, अलंकार और रस का सुंदर प्रयोग हुआ है सूरदास की मृत्यु जुलाई 1583 ई. में हुई। वे हिन्दी साहित्य के अमर कवि हैं। उनके काम आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं और लोग उनकी रचनाओं को बड़े चाव से गाते हैं।

(लेखक - संजय गोस्वामी

जल गंगा संवर्धन अभियान की कलेक्टर ने की समीक्षा

सतना, यशभारत। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने शनिवार को जिला पंचायत सतना के सभागार में बैठक लेकर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, कार्यपालन यंत्री आरईएस सीएल साकेत, जनपद के सीईओ, सहायक यंत्री, उपयंत्री और जिला पंचायत का मनरेगा स्टाफउपस्थित रहा।

कलेक्टर ने जनपद पंचायतों के समस्त सीईओ, सहायक यंत्री, उपयंत्री से जनपद वार उपयंत्री वार, खेत, तालाब, डग वेल, फॅार्मपांड के कार्यों हेतु उपयंत्री वार लक्ष्य अनुसार पृथक-पृथक कार्य वार कार्यों के जारी टी एस और जारी टीएस अनुसार एएस की प्रगति की समीक्षा की गई। जिसमें रामपुर बघेलान, सोहावल, उचेहरा, नागौद के स्वीकृत कार्य में शुरू होने की अपेक्षित प्रगति कम पाये जाने पर संबंधित सहायक यंत्री, उपयंत्री के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित जनपद पंचायतों के सहायक यंत्री एवं जनपद पंचायतों के समस्त उपयंत्रियो का एक सप्ताह के वेतन कटौती करने का निर्देश ईई आरईएस को दिए। उन्होंने कहा कि अगले शनिवार को पुनः समीक्षा की जायेगी और प्रगति नहीं पाये जाने पर कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने जनपद सीईओ से जल गंगा संवर्धन कार्यों की कमजोर प्रगति जाननी चाही। नागौद सीईओ द्वारा बताया गया कि जनपद क्षेत्र में काम देरी से चालू हुआ और नहर का कार्य चल रहा है। कलेक्टर ने अगले शनिवार तक जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रगति आनी चाहिए। जल गंगा संवर्धन अभियान के लगभग 40 दिनों में 5 उपयंत्रियों द्वारा बहुत ही कम काम किये जाने पर इनके एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। इनमें रामनगर के उपयंत्री अतुल सिंह, मैहर के राघवेंद्र मिश्रा, रामपुर बघेलान के उपयंत्री अन्नपूर्णा सिंह, सोहावल के उपयंत्री आशुतोष वर्मा, व्ही. के मिश्रा के नाम शामिल है।

नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

सतना. गृह विभाग मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968 के तहत आपदा की स्थिति में गैर सरकारी संगठनों, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी और सिविल स्वयं सेवकों की भागीदारी सुनिश्चित कर आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा एवं सहायता तथा प्रशासन के सहयोग हेतु इच्छुक व्यक्तियों को सिविल डिफेंस वालेंटियर के सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाना है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा इस कार्य हेतु सतना जिला अंतर्गत प्रभारी अधिकारी राहत शाखा को जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन का नोडल अधिकारी तथा कमांण्डेन्ट होमगार्ड को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक संदेश प्रसारित करने पर भी रोक

पन्ना. कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार ने वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा लोकहित में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। यह आदेश आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा।

अब धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, रैली, सभा, पुतला दहन, पद यात्रा, रथ यात्रा इत्यादि के लिए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा अन्यथा वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अनुमति उपरांत आयोजनकर्ता और रैली व धरना में भाषण देने वाले व्यक्ति किसी भी प्रकार से आम जनता को भड़काने या हिंसा फैलाने वाली बातें अथवा भड़काउ शब्दों एवं भाषा का प्रयोग नहीं करेंगे। लोगों को शस्त्र देने, बांटने या शासन के खिलाफविद्रोह करने वाली भाषा का प्रयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही अनुमति पत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करना एवं करवाना भी बाध्यकारी होगा। किसी समुदाय, संगठन, राजनैतिक दल, समिति, प्रतिनिधि मंडल के आयोजन के दौरान किसी सार्वजनिक स्थल, शासकीय परिसर, शासकीय कार्यालय, भवन अथवा किसी भी सरकारी, सार्वजनिक, निजी संपत्ति को कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार से क्षति पहुंचाने पर कार्यक्रम आयोजक के विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही होगी।

जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित है कि गत 7 मई को भारतीय सेना द्वारा की गई कार्यवाही से उद्भूत परिस्थिति एवं असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी होने के कारण जिले के सभी होटल, लॉज, धर्मशाला तथा छात्रावास प्रबंधक एवं स्वामी तत्काल संबंधित थाना में अपने संस्थान की जानकारी देंगे। यहां ठहरने वाले व्यक्तियों की दैनिक जानकारी थाना प्रभारी को दी जाएगी। मकान स्वामी अपने किराएदार के बारे में भी संपूर्ण जानकारी संबंधित थाना में देंगे।

इसके अतिरिक्त संपूर्ण पन्ना जिले में सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्ति सामाजिक एवं व्यक्तिगत रूप से आपत्तिजनक व अश्लील संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा। महिला एवं अल्पसंख्यक वर्ग या समुदाय अथवा जाति विशेष के विरूद्ध भी प्रतिकूल टिप्पणी करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक, द्वेषपूर्ण या धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले संदेश एवं चित्र, ऑडियो, वीडियो प्रसारित करना तथा आतंकवाद, जातिवाद, साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देने वाले चित्र, ऑडियो, वीडियो, कमेंट्स इत्यादि पर भी रोक रहेगी। आदेश के उल्लंघन पर संबंधित के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के अनुसार अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी।

नर्सिंग होम संचालकों की बैठक संपन्न

सतना. राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में आपदा प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए नर्सिंग होम संचालकों तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. शशिधर गर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला सहित चिकित्सक और नर्सिंग होम संचालक उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने सभी नर्सिंग होम के संचालकों से कहा कि अपने-अपने चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधायें उपकरण आदि की जानकारी तैयार कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भेजना सुनिश्चित करें। सभी नर्सिंग होमो के संचालक अपने-अपने चिकित्सालय में एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर दें। नोडल अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से समन्वय बनाकर नर्सिंग होम में सुविधाओं एवं रिसोर्स की मैपिंग कर शेयर करें। आवश्यकता पडने पर नर्सिंग होम में उपलब्ध सुविधाओं एवं संसाधनों का सहयोग लिया जायेगा।

77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जितः श्री राजपूत

सतना. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा के परिणामस्वरूप इस वर्ष लगभग 9 लाख किसानों से 77 लाख 74 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष 48 लाख 38 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ था। मंत्री श्री राजपूत ने किसानों के हित में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिये गये बोनस पर उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि गेहूँ के उपार्जन में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि किसानों से उपार्जित गेहूँ में से 73 लाख 51 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण भी किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक लगभग 17 हजार 870 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान किसानों को किया जा चुका है।

जल गंगा संवर्धन अंतर्गत नदी पुनर्जीवन कार्यशाला सम्पन्न

सतना. जल गंगा संवर्धन अभियान सतना के अंतर्गत मां मंदाकिनी नदी पुनर्जीवन जागरूकता अभियान का शुभारंभ एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से किया गया। इस अभियान का प्रथम चरण 11 मई से 18 मई तक आयोजित होगा। इसी क्रम में नदी पुनर्जीवन पर एक दिवसीय कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में आयोजित की गई। इस मौके पर कुलगुरु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय भरत मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, तकनीकी विशेषज्ञ प्रवीण पाठक, संभाग समन्वयक, जन अभियान परिषद, रीवा संभाग, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. अखिलेश जांगड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि वैज्ञानिक केंद्र, मझगवां तथा जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ मां भारती और भारतरत्न नानाजी देशमुख के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। वैश्विक जल चुनौती और नदियों में उत्पन्न हो रहे जल संकट के प्रति चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मंदाकिनी नदी जो अत्यंत प्राचीन और पौराणिक है। जिसकी महिमा चित्रकूट के कण- कण में व्याप्त है।

घोषणाएं कम...काम अधिक -मोहन 'राज' की रणनीति

भोपाल (यशभारत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अब तक के कार्यकाल का आकलन किया जाए तो यह तथ्य सामने आता है कि उनकी रणनीति साफ है कि जो कहना है, वह करना है। उनकी सरकार भी इसी मंत्र पर काम कर रही है। यानी मोहन 'राज' की रणनीति है...घोषणाएं कम...काम अधिक। अपने अब तक के कार्यकाल में मुख्यमंत्री कोरी घोषणाएं करने से परहेज करते नजर आए हैं। उनका पूरा फोकस प्रदेश में एक समान और संतुलित विकास पर है। इसलिए वे केवल वहीं घोषणाएं कर रहे हैं जिसे अमलीजामा पहनाया जा सके। इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं का क्रियान्वयन भी कुछ दिनों में शुरू कर दिया जाता है। मोहन यादव ने कई मायनों में यह साबित कर दिया कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का भाजपा का फैसला दूरदर्शी था। चुनौतियां कई थीं, पर उन्होंने काल के प्रवाह में इन फैसलों को मजबूती में बदलकर नेतृत्व के फैसले को सही साबित किया। शहर से ग्रामीण व्यवस्था तक हर मोर्चे पर सरकार ने अपना विजन बनाकर काम शुरू किया। जो काम प्रदेश में 20 साल में भी नहीं हुए थे उन पर सरकार ने सबसे ज्यादा फोकस किया।

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री का पद संभालने वाले डॉ. मोहन यादव ने डेढ़ साल के भीतर प्रदेश में विकास कामों से जुड़ी सिर्फ 611 ही घोषणाएं की हैं। भाजपा के ही पूर्व मुख्यमंत्री की तरह उन्हें अभी तक घोषणा वीर का तमगा नहीं मिला है। मोहन किसी भी काम या योजना की घोषणा तभी करते हैं, जब उसके जल्द पूरी होने की संभावना हो, इसलिए डेढ़ साल में की गई घोषणाओं में 150 पूर्ण भी हो गई है। इससे उनका विजन और काम करने का तरीका प्रशंसा के काबिल बन जाता है। मोहन सरकार में अगर सबसे अधिक खुश कोई वर्ग है तो वह है कर्मचारी। सरकार ने कर्मचारियों की वर्षों पुरानी मांगों को पूरा करने की घोषणा तो की है साथ ही उनके क्रियान्वयन की दिशा में भी काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अगुवाई वाली सरकार ने महंगाई भत्ते (डीए) को 55 प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान कर दिया है, जिसके आदेश वित्त विभाग ने 7 मई को जारी कर दिए। यह बढ़ोतरी 1 मई से लागू होगी, और कर्मचारियों को जून के वेतन के साथ इसका लाभ मिलेगा। न केवल सातवें वेतनमान वाले कर्मचारी और पेंशनर्स, बल्कि छठवें वेतनमान वाले कर्मचारियों को भी इस तोहफे का फायदा मिलेगा। वहीं एरियर की राशि जून से अक्टूबर 2025 तक पांच समान किस्तों में दी जाएगी। यह फैसला मध्य प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनर्स के बीच उत्साह की लहर ला रहा है, खासकर ऐसे समय में जब महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ रखी है। सरकार ने पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स के लिए भी महंगाई राहत (डीआर) बढ़ाने का आदेश जारी किया है। वित्त विभाग के 30 अक्टूबर 2024 के आदेश के तहत, पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स को 1 अक्टूबर 2024 से सातवें वेतनमान में 50 प्रतिशत और छठवें वेतनमान में 239 प्रतिशत डीआर दी जा रही थी। यही नहीं सरकार ने कर्मचारियों की पदोन्नति की भी राह खोल दी है।

सियासी मोर्चे पर भी सफल हुए सीएम मोहन

मुख्यमंत्री मोहन यादव न केवल सरकार चलाने में सफल साबित हुए, बल्कि राजनीतिक मोर्चे पर भी सफल रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल कर राजनीतिक पंडितों को हैरान कर दिया। कांग्रेस के देश में सबसे मजबूत गढ़ों में शामिल रही छिंदवाड़ा सीट पर भी 26 साल बाद जीत दर्ज की। इससे पहले अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में जीत से पार्टी में अपना कद बता चुके थे। सत्ता और भाजपा संगठन के बीच बेहतर तालमेल देखा गया है। जमीनी स्तर पर सरकार की योजनाओं और छवि को बेहतर बनाने में संगठन के पदाधिकारी बूथ से लेकर शक्ति केंद्रों तक पहुंचे। लोगों तक पहुंचने के लिए बूथ भाजपा की सबसे छोटी इकाई है। यहां संगठनात्मक कामों ने सरकार के पहले वर्ष को नई ऊर्जा दी। हितग्राहियों को योजनाओं से जोडऩे और सरकार के विजन को बताने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मा सौंपा गया। उन्होंने सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचाया। चुनौती कुछ विधायकों ने कानून-व्यवस्था से लेकर ब्यूरोक्रेसी पर अनेदखी के आरोप लगाए। इस दौरान संगठन ने ऐसे नेताओं को सख्त चेतावनी देते हुए अनुशासन का पाठ पढ़ाया।

611 में से 150 घोषणाएं पूर्ण

मप्र का मुख्यमंत्री बने डॉ. मोहन यादव को 508 दिन हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने प्रदेशभर में दौरे भी किए और करोड़ों की लागत के विकास कामों का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया है। लेकिन अभी तक उन्हें घोषणा वीर मुख्यमंत्री बनने का तमगा नहीं मिला। वैसे उन्होंने भी इस दौरान 611 घोषणाएं कीं और यह घोषणाएं शहरों का विकास, सडक़ों, पुल-पुलियों का निर्माण, स्कूल भवनों का विकास, छोटे शहरों, कस्बों का नाम परिवर्तन, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास से जुड़ी घोषणाएं की है। 611 में से अधिकांश घोषणाएं स्कूल हो या शहरों के नाम बदलने की हैं। इनमें से 150 घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं और 461 अभी लंबित हैं, जिनमें से अधिकांश सततं पूर्ण होने की प्रक्रिया में हैं। इनमें नगरीय विकास एवं आवास की 80, लोक निर्माण, सडक़ों के निर्माण की 77, स्कूल शिक्षा से जुड़ी 41 और पंचायतों की 25 घोषणाएं शामिल हैं। इस हिसाब से मुख्यमंत्री के नाते मोहन यादव ने एक दिन में दो भी घोषणा नहीं की।

तीन महीने में पूरी की जा रही घोषणाएं...

भाजपा सरकार में डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री रहे उमा भारती, बाबूलाल गौर के समय हर दिन 15 से 20 घोषणाएं की जाती रही हैं। खासकर तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह के समय काफी घोषणाएं हुई थीं। उनके कार्यकाल में घोषणाओं की संख्या 15 से 20 हजार के बीच थी। बाद में वे पूरी भी कराई गई, लेकिन शिवराज को तत्कालीन समय में घोषणा वीर का तमगा विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने दिया था? कमलनाथ ने तो इस मुद्दे पर कई बार शिवराज के खिलाफ ट्वीट भी किए, लेकिन मोहन के समय में ऐसी घोषणाओं की अभी तक बारिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री के नाते मोहन यादव प्रदेशभर में दौरे कर रहे हैं और वे जहां भी लोकार्पण, शिलान्यास करते हैं, उनमें से अधिकांश काम विधायकों की अनुशंसा पर किए जा रहे हैं। वर्तमान में अधिकांश लोकार्पण सीएम राइज स्कूल को लेकर हो रहे हैं।

समारोह में हिस्ट्री शीटर ने की फायरिंग, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

भोपाल, यशभारत। शहर के बदमाशों के आपत्ति जनक वीडियो आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। इन वीडियो में नियम कानूनों का खुलेआम उल्लंघन करते दिखते हैं। ऐसा ही एक वीडियो गोविंदपुरा थाने के हिस्ट्री शीटर बदमाश गोपाल पाटिल का वॉट्सएप पर वायरल हो रहा है। इसमें वह नाचते हुए पिस्टल से गोली चला रहा है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि वह मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक वीडियों में अन्ना नगर गोपाल पाटिल नाचते हुए पिस्टल से फायर करते हुए दिख रहा है। इस दौरान उसमें कुछ लोग पैसा भी उड़ा रहे हैं। वीडियो कब का है और कहां का है इसकी जांच की जा रही है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि यह वीडियो थाने के समीप अन्ना नगर बस्ती का है जहां हाल ही में एक शादी समारोह में पाटिल ने फायरिंग की है। उल्लेखनीय है कि पाटिल का नाम करीब नौ साल पहले तब सुर्खियों में आया था,जब उसने वर्चस्व के विवाद में अपने साथियों के साथ मिलकर दिनेश और वेंकटेस नामक युवकों पर पहले गोली चलाई थी और उसके बाद उन्हें चाकुओं से गोद दिया था। वह इसके बाद से लगतार अपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहा है।

उधारी के पैसे मांगे तो झौंक दिया फायर

भोपाल यशभारत। तलैया इलाके में एक युवक द्वारा उधारी के पैसे मांगने पर दो भाईयों ने आवेश में आकर गोली चला दी। पुलिस ने आरोपी भाईयों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नही हुई है। पुलिस के मुताबिक पंचयाती मस्जिद के समीप इस्लामपुरा निवासी कासिम भैंस की चर्बी का कारोबार करता है। उससे मोहल्ला में रहने वाले शहनबाज और उसके भाई गुलशान उर्फ छोटू चर्बी खरीदकर उसे फुटकर में बेचने का काम करते हैं। दोनों भाई उससे ली गई चर्बी का पैसा नहीं दे रहे थे, जिससे परेशान होकर कासिम सुब करीब साढ़े सात बजे उनसे उधारी का पैसा मांगने उनके घर पहुंच गया। सुबह-सुबह घर आकर पैसा मांगने से नाराज होकर शहनबाज और उसके भाई ने गाली गलौज करते हुए उसे भयभीत करने के लिए कट्टे से हवाई फायर कर दिया। पुलिस ने दोनों भईयों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

रेस्टोरेंट कुक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

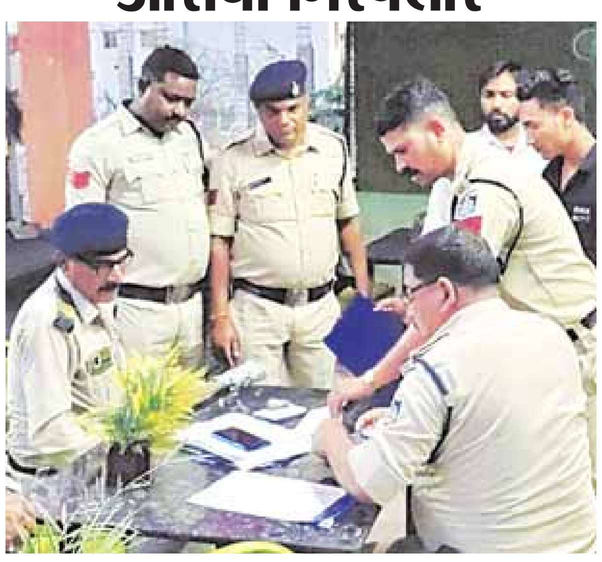

काम करते वक्त वैटर ने दे दी थी गाली, करछी का वार सिर पर लगने से हुई थी मौत

भोपाल। खजूरी सड़क में स्थित वन बाईट रेस्टोरेंट के किचन में हुई हत्या के मामले में फरार हुए आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया है। उसे अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है। इधर, हमले में मृत वैटर का हमीदिया अस्पताल में पीएम कराया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार बायपास पर वन बाईट रेस्टोरेंट हैं। यहां शब्बीर खान पिता नसरुद्दीन खान उम्र 35 साल वैटर का काम करता था। वह कोहेफिजा थाना क्षेत्र में रहता था। इसी रेस्टोरेंट में आरोपी राजाबाबू नागर कुक का काम करता है। दोनों शनिवार दोपहर होटल में काम कर रहे थे। किचन में राजाबाबू नागर भोजन बना रहा था। उसी दौरान हुई कहासुनी के बाद राजाबाबू नागर को शब्बीर खान ने गाली दे दी। इस बात से नाराज राजाबाबू नागर ने अपने हाथ में मौजूद करछी उठाकर मार दिया। यह वार उसके सीधे सिर पर जाकर लगा और वह वहीं पर ढ़ेर हो गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। आरोपी खजूरी सड़क में स्थित बकानिया गांव का रहने वाला था। उसे रविवार सुबह हिरासत में ले लिया गया है। इससे पहले खजूरी सड़क पुलिस ने मर्ग कायम किया था। जिसकी जांच के बाद पुलिस ने शनिवार रात ही हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया था। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल करछी को जब्त कर लिया है। आरोपी को घटनास्थल पर भी ले जाया जा रहा है। मामले की जांच एसआई संजय मिश्रा कर रहे हैं।

3.0 पोर्टल के माध्यम से लगेगी शिक्षकों की ई-अटेंडेंस

ट्रायबल विभाग के ढाई लाख शिक्षकों के लिए नई व्यवस्था

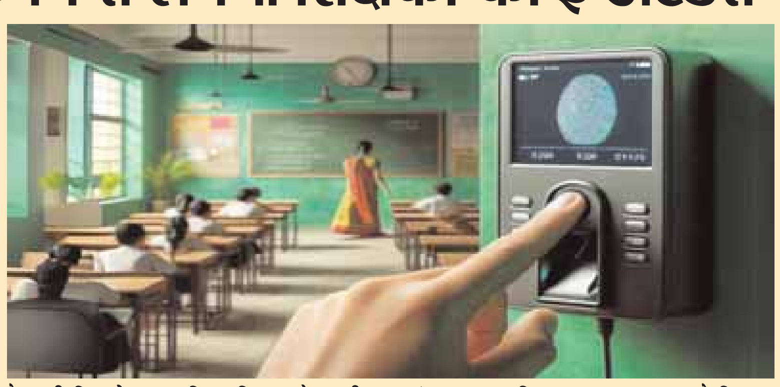

भोपाल (यशभारत)। प्रदेश में 15 जून से शिक्षा का सत्र री-ओपन होगा। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग ने नई पहल की है, जिससे सरकारी स्कूलों से शिक्षक गायब नहीं रह पाएंगे। इसके लिए प्रदेश के करीब चार लाख शिक्षकों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज होगी। यह एप शिक्षकों की लोकेशन दर्ज करेगा साथ ही आनलाइन चेहरा दिखाई देने पर ही उपस्थिति लगेगी। वहीं दूसरी तरफ ट्रायबल विभाग अपनी आश्रम शालाओं में जिन ढाई लाख शिक्षकों से बच्चों का अध्यापन करवाता है, उनकी ई-अटेंडेंस 3.0 पोर्टल के माध्यम से लगेगी।

जानकारी के अनुसार प्रदेश में ढाई लाख शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस पूर्व से संचालित एम शिक्षा मित्र पर यह उपस्थिति लागाने की तैयारियां हुई थीं। अब डिपार्टमेंट ने नवीन सिस्टम तैयार किया है। इधर जिस ट्रायबल विभाग अपनी आश्रम शालाओं में ढाई लाख टीचरों से बच्चों का अध्यापन करवाता है। वहां पर अभी कोई तैयारियां नहीं हैं। प्रदेश में 15 जून से शिक्षा का सत्र री-ओपन हो रहा है। इसी दिन से स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन काम करने वाले हर शिक्षक की ऑनलाइन उपस्थिति होगी। जब यह मसौदा तैयार किया गया था। तब कहा गया था कि पूर्व से संचालित एम शिक्षा मित्र पर टीचरों की ऑनलाइन अटेंडेंस लगाई जाएगी। अब विभाग ने निर्णय बदला है। विद्यालयों के समस्त रिकार्ड को संग्रहित करने के लिए विभाग ने जिस नवीन 3.0 पोर्टल को लांच किया है। उसी के माध्यम से शिक्षकों की ई-अटेंडेंस लगवाई जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इसके लिए एक्सपर्ट की टीम काम कर रही है। यह काम चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इसे समय सीमा में कर लिया जाएगा। कमिश्नर लोक शिक्षण संचालनालय शिल्पा गुप्ता का कहना है कि हम 15 जून से राज्य के स्कूलों में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस लगवाएंगे। इस विषय में तेजी से काम चल रहा है। जितने शिक्षक पदस्थ है। सभी को ऑनलाइन अटेंडेंस लगानी होगी।

शिक्षकों की होगी पूरी मॉनीटरिंग

विभाग में अधिकारियों का मानना है कि ऑनलाइन अटेंडेंस लगेगी तो पूरा डिटेल रहेगा कि शिक्षक कितने बजे विद्यालयों में पहुंचा है। शिक्षकों की स्कूलों में समय पर मौजूदगी होगी तो बच्चों के शैक्षणिक कार्यों में भी गुणात्मक विकास होगा। अब जिला शिक्षा अधिकारियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अभी तक जिला शिक्षा अधिकारी निरीक्षण करते रहे। अनुपस्थित शिक्षकों पर कार्यवाही के लिए विभाग को जानकारी दी जाती रही। इससे डिपार्टमेंट में भी चिंताएं बढ़ती रही है। अब सिस्टम ऐसा तैयार हो रहा है कि शिक्षक को स्कूल में निर्धारित समय अनुसार ड्यूटी करना होगी। अन्यथा इनकी वेतन पर असर पड़ेगा। स्कूल शिक्षा की तरह ट्रायबल डिपार्टमेंट पदस्थापना, प्रमोशन और वेतन व्यवस्था को छोड़ अध्यापन पैटर्न एक जैसा है, लेकिन अभी यहां पर ऑनलाइन अटेंडेंस के लिए कोई तैयारियां नहीं है। जब पोर्टल 3.0 तैयार हो रहा था। तब स्कूल शिक्षा और ट्रायबल अधिकारियों की मंत्रालय में बैठक हुई थी। इसमें सहमति बनी थी कि एक साथ ऑनलाइन अटेंडेंस लगाई जाएगी।

ट्रायबल में आनलाइन प्रक्रिया का चल रहा काम

यहां यह भी तय नहीं हुआ कि शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति स्कूल शिक्षा विभाग के 3.0 से लिंक होगी, या फिर ट्रायबल डिपार्टमेंट अलग पोर्टल तैयार करेगा। हालांकि स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि ट्रायबल में भी एक ही तिथि से शिक्षकों की उपस्थिति आनलाइन होगी। वहां भी काम चल रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग 15 जून से प्रदेश में ऑनलाइन अटेंडेंस तो शुरू करने जा रहा है, लेकिन शिक्षकों ने ही इस प्रक्रिया में अनेक तकनीक अड़चने बताई है। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष भरत पटेल का कहना है कि विभाग आये दिन शिक्षकों को पढ़ाई की बजाय गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाता है। अब जब शिक्षक दूसरे काम करेगा तो वह कैसे समय पर स्कूलों में पहुंच पाएगा। रस्थ ग्रामीण अंचलों में अनेक ऐसे क्षेत्र है, जहां इंटरनेट की दिक्कत है। विभाग को इन समस्याओं का समाधान पहले करना होगा। राज्य में 20 हजार ऐसे शिक्षक है, जो पिछले कई सालों से स्कूलों में नहीं पहुंच पाये है। विभाग की रिपोर्ट अनुसार मतदाता सूची में कार्य के नाम पर अनेक शिक्षक, कलेक्टर, जिला पंचायतों और तहसील कार्यालयों में पिछले पांच साल से बाबूगिरी कर रहे है।

पत्नी को घर से निकाला और झूल गया फांसी पर

भोपाल, यशभारत। छोला इलाके में किराए से रहने वाले एक युवक ने विवाद के बाद पत्नी को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया और फिर फांसी लगा ली। बताया जाता है कि मृतक अत्याधिक शराब पीने का आदि था। पुलिस ने फिलहाल शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों कके हवाले कर दिया है। पुलिस के मुताबिक खुरई निवासी 35 वर्षीय युवक शिवनगर फैस 3 में किराए से रहता था। वह पुताई का काम करता था। उसका शराब पीने को लेकर बीते तीन दिनों से पत्नी से विवाद हो रहा था। वह जो भी पैसा कमाता था, उसे शराब में खर्च कर देता था। इसकी वजह से विवाद हो रहा था। बीत रात भी उसने विवाद के बाद पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया था जिसकी वजह से वह रात में रेलवे स्टेशन पर बैठी रही। इसी दौरान उसने घर में फांसी लगा ली। उसके फांसी लगाने की सूचना पुलिस को मकान मालिक की पत्नी ने दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक दो साल पहले गंजबसौदा निवासी युवती से प्रेम विवाह किया था। इसकी वजह से दोनों से उनके घरवालों ने रिश्ता समाप्त कर लिया था। फिलहाल मृतक का एक पांच माह का बेटा भी है।

एक्सीलेंस कॉलेज के छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत

भोपाल, यशभारत। भोपाल देहात क्षेत्र में स्थित परवलिया सड़क इलाके में एक्सीलेंस कॉलेज के एक छात्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा तक हुआ जब छात्र बाइक पर मां और मामा के बेटे के साथ सवार था। पुलिस को अभी तक दुर्घटना के पीछे कोई ठोस वजह पता नहीं चली है।

नौजवान बेटे की मौत से परिजन शोकाकुल- परवलिया सड़क थाना पुलिस के अनुसार सड़क दुर्घटना 09 मई की सुबह सात बजे हुई थी। हादसा मुबारकपुर ब्रिज पर हुआ था। पुलिस ने बताया कि बाइक एमपी–39–जेडए–0421 पर संदीप वर्मा, उसकी मां सुमित्रा वर्मा और मामा का बेटा मलखान वर्मा सवार थे। परिवार राजगढ़ जिले में स्थित ब्यावरा में रहता है। बाइक को संदीप वर्मा ही चला रहा था। वह भोपाल में एक्सीलेंस कॉलेज में पढ़ाई करता है। उसे गंभीर हालत में हमीदिया अस्पताल ले जाया गया। यहां डाक्टर शर्मा ने मृत घोषित कर पुलिस को खबर कर दी। परवलिया सड़क पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। प्रकरण की जांच एएसआई अजय चंद्रवंशी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि परिजन अभी शोकाकुल है। इसलिए हादसे को लेकर कोई ठोस तथ्य पुलिस को पता नहीं चले हैं। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मामले की जांच तेज की जाएगी।

अवैध शराब माफियाओं में वर्चस्व की जंग

मचाया उत्पात, आगजनी कर किया पथराव

भोपाल, यशभारत।

एक सनसनीखेज घटनाक्रम में बीडीए कॉलोनी में अवैध तरीके से शराब बेचने के लिए क्षेत्र के वर्चस्व को लेकर माफियाओं ने उत्पात मचाया, आगजनी के साथ पथराव भी किया। विवाद की वजह अवैध तरीके से शराब बेचने को लेकर है। जिसमें दो गुट पिछले छह महीने से एक–दूसरे से रंजिश पाले रखे हुए हैं। इसी विवाद के चलते शुक्रवार–शनिवार की दरमियानी रात जमकर उपद्रव हुआ। बदमाशों का क्षेत्र में इतना आतंक है कि कोई भी परिवार इन उपद्रवियों के खिलाफ बोलने को तैयार नहीं था। इन दोनों ही गुटों को एक राजनीतिक पार्टी से संरक्षण भी प्राप्त हैं। जिस कारण कार्रवाई करने पर पुलिस अधिकारियों पर ही पिछले दिनों गाज भी गिर चुकी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार यह सनसनीखेज वारदात अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बीडीए कॉलोनी के एक नंबर सेक्टर में हुई। यहां देशराज मकोरिया और उसके बेटे घर से अवैध तरीके से शराब बेचने का काम करते हैं। यह बात पुलिस विभाग को बहुत अरसे से पता भी है। कुछ महीने पहले पुलिस ने दबिश भी दी थी लेकिन कार्रवाई से पूर्व मुखबिरी हो गई थी। इसी क्षेत्र में दूसरा बदमाश आरोपी गुड्डू बाथम है जो अवैध तरीके से खुलेआम शराब बेचने का काम करता है। इन दोनों ही गुटों के बीच छह महीने से रंजिश चल रही है। दरअसल, दोनों ही गुट एक–दूसरे के खिलाफ मुखबिरी करके शराब भी पकड़ाते हैं। इस कारण दोनों ही पक्षों के बीच जमकर तनातनी चल रही है। इसी तनातनी के बीच 09–10 मई की दरमियानी रात एक बजे जमकर उपद्रव हो गया। दोनों गुटों के करीब दो दर्जन लोग आमने–सामने थे। जमकर एक–दूसरे पक्षों पर पथराव किए गए। इसमें दो वाहनों के कांच बुरी तरह से चकनाचूर हो गए। इसके अलावा गुड्डू बाथम जिन्हें हमला करने के लिए लेकर आया था उनके तीन वाहनों को देशराज मकोरिया के बेटों ने मिलकर बीच चौराहे पर रखकर उसे जला दिया। उपद्रवी भारतीय सेना में तैनात एक परिवार के घर के बाहर खड़ी कार में भी आग लगाने जा रहे थे। लेकिन, घर के बाहर कैमरा देखकर वे रुक गए। जिसकी कार थी वह असम में तैनात हैं। उसे भारतीय सेना में बने ताजा हालातों के चलते अवकाश रद्द करते हुए बुलाया गया है। वह कार उसकी ही थी जो उपद्रव के दौरान बाल–बाल बच गई।

नाम सुधार

मैं अंश मौर्य पिता मुकेश मौर्य यह घोषणा करता हूं कि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम मुकेश मौर्य दर्ज है। जो कि सही है। परंतु ममेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम मुकेश मौर्य काछी दर्ज हो गया है। जो कि गलत है। मेरे पिता का सही नाम मुकेश मौर्य के से जाना पहचाना पढ़ा एवं दर्ज किया जाये।

गलत नाम- मुकेश मौर्य काछी।
सही नाम- मुकेश मौर्य
पता= 625 चांदमारी रोड द्वारिका नगर लालमाटी जबलपुर मप्र

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - जबलपुर (म.प्र.)

E-mail modgmjab@MP.gov.in

क्रमांक–952.../खनिज/2025 — दिनांक 09.05.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए द्वितीय सूचना पत्र

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री सुधीर मिश्रा पिता स्व. श्री शिवशंकर मिश्रा पता–1818/ए. गुप्तेश्वर रोड़ कृपाल चौक, जबलपुर द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 24.07.2024 को प्रस्तुत किया गया था। आवेदित क्षेत्र के संबंध में आपत्ति हेतु दिनांक 13.04.2025 तक प्रथम सूचना पत्र जारी किया गया था, परंतु अन्य कोई आपत्ति प्राप्त न होने से आपत्तियों के संबंध में पुनः प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस तक प्रस्तुत उत्खनिपट्टा आवेदन पत्र के संबंध में आपत्तियाँ आमंत्रित की जाती है। आपत्तियाँ कार्यालयीन समय में स्वयं अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत की जा सकती हैं।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा हेक्टर में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
जबलपुर	जबलपुर	धाधरा	82	0.860	शासकीय भूमि	गिट्टी एमसैण्ड	–
			कुल रकबा	0.860			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य व्यक्तियों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से निर्धारित तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) आपत्तियाँ आमंत्रित की जाती हैं।
2. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत नवकरण स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
3. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जायेगा।

"पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

जी–12733/25

सहायक खनि अधिकारी
जिला– जबलपुर (म.प्र.)

20 वर्षों में बिजली, न सड़क

300 से अधिक आबादी वाले आदिवासी गांव टिकरिया में हालात बदतर

यश भारत खास खबर

रैपुरा, यशभारत। रैपुरा और मोहन्द्रा मुख्य सड़क मार्ग से 6.5 किलोमीटर बीच जंगल में बसे पूर्णतः आदिवासी आबादी वाले गांव टिकरिया में पिछले बीस से 25 वर्षों से बिजली नहीं है। न तो आज तक इस गांव में पक्की सड़क बन सकी है। यशभारत संवाददाता ने रविवार को रैपुरा से मोहन्द्रा के बीच आदिवासी अंचल होते हुए इस क्षेत्र के सबसे पिछड़े गावों में से एक टिकरिया पहुंचकर समस्याओं को लेकर लोगों से बात की। मुख्य सड़क मार्ग से उतरते ही बीच जंगल में मुरूम से बनी कच्ची सड़क पर आ गए, जहां सड़क में दो-दो फीट के भयानक बड़े-बड़े गड्ढे थे। इस सड़क पर बाइक चलाना भी मुश्किल था। 6.5 किलोमीटर चलने के बाद हमे आदिवासी गांव टिकरिया मिलता है।

गांव के बाहर बैठे कुछ युवा एवं महिलाओं को देखकर हम सीधे उनके पास पहुंच गए। अपना परिचय देने पर घर के बाहर बैठी बुजुर्ग महिला ने बताया कि गांव में लगभग कई वर्षों से बिजली नहीं है। न ही मुख्य सड़क मार्ग से कस्बे तक आने के लिए पक्की सड़क। कहती है कि कोई बीमार हो जाए तो एम्बुलेंस भी बमुश्किल ही पहुंचती है। बारिश में तो पैदल भी नहीं जा सकते। इसलिए मोहन्द्रा के लिए शॉर्टकट रास्ता अपनाते है और पूरा पहाड़ पैदल ही उतर जाते हैं।

आदिवासियों का जीवन-यापन मुश्किल

लोकसभा चुनाव में किया था बहिष्कार

पिछले चुनाव में गांव के लोगों ने चुनाव का बहिष्कार किया तो गांव में कलेक्टर सहित पवई विधानसभा के विधायक भी आए और कहा कि वोट डालिए, हम यहां बिजली पानी एवं रोड की व्यवस्था करेंगे। रोजगार के लिए मुर्गी पालन एवं बकरी पालन के अवसर उपलब्ध कराने के वादे किए तब जाकर गांव के लोगों ने वोट डाले। एक साल हो गए लेकिन कोई दोबारा सुध लेने नहीं आया। न प्रशासन से कोई अधिकारी आए न तो कोई राजनेता।

बिजली नहीं, सिर्फ खंभे खड़े

गांव के लोग बताते हैं कि पिछले 30 वर्षों से गांव में बिजली नहीं हैं। गांव के लोग आग जलाकर उजाला करते हैं तब भोजन कर पाते हैं। कहते हैं 1990 के आसपास बिजली गांव आई तब चार से पांच वर्ष बिजली रही उसके बाद कुछ खंभे गिर गए तबसे किसी ने ठीक ही नहीं किए। तब से आज पूरा गांव अंधेरे में ही है। अगर घरों में गेहूं पिसाने की जरूरत है तो उसे 18 किलोमीटर दूर मोहन्द्रा ही जाना पड़ता है। कहते हैं वन विभाग ने छह सोलर लाइट लगवाई है जिससे थोड़ी देर उजाला हो जाता है। वह भी अगर धूप अच्छी है तो। नहीं तो फिर वहीं अंधेरे के सहारे।

पक्की सड़क की आस में गांव

गांव वाले बताते हैं आज तक हमारे गांव में पक्की सड़क नहीं बनी। गांव वाले रोजमर्रा की चीजों के लिए वह 18 किलोमीटर दूर मोहन्द्रा या 35 किलोमीटर दूर रैपुरा पर निर्भर हैं। परंतु दोनों का पहुंच मार्ग अर्थात मुख्य मार्ग गांव से 6.5 किलोमीटर दूर है। जिसमें दो दो फीट के गड्ढे हैं। कच्ची सड़क है जो बारिश में बंद हो जाती है। फिर पहाड़ी पैदल उतरकर 14 किलोमीटर मोहन्द्रा जाना होता है। महिलाएं अगर गर्भवती है बारिश का मौसम है तो पालकी बनाकर पहाड़ी उतर कर मोहन्द्रा पहुंचते हैं। एक व्यक्ति ने बताया कि वहां अपनी बेटी को सर्पदंश का इलाज कराने बारिश में 15 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचा था तब इलाज मुहैया हो पाया। अगर गांव में कोई टैक्सी वाला आता है तो 18 किलोमीटर के 50 रुपए आना और 50 रुपए जाना कुल 100 रुपए एक व्यक्ति के लगाए हैं वजह है सड़क का न होना।

एक हैंडपंप के भरोसे पूरा गांव

पूरा गांव सिर्फ एक हैंडपंप पर निर्भर है। उसी से गांव के लोगों का जीवन चलता है। परंतु अगर उसमें पानी कम हो जाता है घंटों पानी रिसने का इंतजार करना पड़ता है। रात में महिलाएं हैंडपंप में बैठ कर पानी भरती है। गांव वालों ने कहा कि पानी की अन्य व्यवस्था हो जाए तो लोगो का जीवन आसान हो जाए।

शिक्षा की व्यवस्था नहीं

गांव में एक दो कमरे के जर्जर भवन में पांचवीं तक स्कूल है। जिसमें गांव के बच्चे पढ़ते हैं। आदिवासी लोगों ने बताया कि पांचवीं के बाद बच्चों को पढ़ने के लिए कोई साधन नहीं है। रोज मोहन्द्रा या रैपुरा जाकर स्कूल में नहीं पढ़ सकते क्योंकि सड़क ठीक न होने से वाहन गांव में नहीं आते और इसलिए बच्चे बाहर पढ़ने नहीं जा पाते। कहते हैं हमारे पास इतनी आमदानी ही नहीं की बच्चों को बड़े कस्बों में रह कर पढ़ा सके। सबसे अधिक समस्या बेटियों की है जो पांचवीं के बाद पढ़ ही नहीं पाती और कम उम्र में शादी कर दी जाती है। टिकरिया गांव में जाते हुए हमे ट्रक मिला। उत्सुकता होने पर हमने गांव वालों से पूछा तो बताया कि गांव के आगे दो पत्थर की बड़ी बड़ी खदाने हैं वहीं से पत्थर लोड होकर ट्रक बाहर ले जाते है। कहते है मुरूम की सड़क आने जाने लायक हुआ करती थी परंतु खदानों में चलने वाले ट्रकों के अत्यधिक लोड से वह छोटे वाहनों के लायक ही नहीं बची।

पक्षकारों को पौधा देकर किया सम्मानित

नेशनल लोक अदालत का आयोजन

कटनी, यशभारत। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एंव सत्र न्यायधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला प्रधान एंव सत्र न्यायधीश जितेन्द्र कुमार शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा और महात्मा गांधी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित कुमार शुक्ला, अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी, अधिवक्ता रोशनी पटेल, सुश्री आरती, अधिवक्ता के के पांडेय, अधिवक्ता शर्मा,, मीडिया प्रभारी अमन राजपाल सिंह, राजेश तिवारी सहित अन्य अधिवक्ताओं, जिला अभियोजन अधिकारी, लोक अभियोजक, लीगल एंड डिफेंस कांउसिल के अधिवक्ता एवं अन्य विभागों के अधिकारी और न्यायालय के समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति रही। लोक अदालत में पक्षकारों के बीच आपसी समझौता से निराकरण हुआ। उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें उपहार स्वरूप फल फूल और छायादार पौधा देकर सम्मानित किया गया।

आयुष्मान कार्ड बनाने वार्डों में लगेंगे शिविर

कटनी, यशभारत। नगर निगम सीमांतर्गत 45 वार्डो में निवासरत श्रमिक कार्डधारकों को आयुष्मान कार्ड का लाभ प्रदान करनें के उद्देश्य से महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में 13 मई से 30 मई तक वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। आयुक्त नीलेश दुबे द्वारा एक आदेश जारी करते हुए वार्डवार शिविरों का आयोजन करते हुए संबंधित वार्ड दरोगाओं को अपने-अपने वार्ड में निवासरत श्रमिक कार्ड धारकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जानें हेतु निर्देशित किया गया है। आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार शिविर के प्रथम एवं द्वितीय दिवस 13 मई एवं 14 मई को बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 1 स्थित पन्ना मोड आंगनबड़ी गली नंबर 2 बिरसा मुंडा वार्ड क्रमांक 2 स्थित चक्की घाट वार्ड पार्षद के घर के पास शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 3 में शासकीय स्कूल पहरूवा व इंदिरा गांधी वार्ड क्रमांक 4 में प्रजापति मोहल्ला धर्मशाला ऑडिटोरियम बस स्टैंड के साथ ही राम मनोहर लोहिया वार्ड क्रमांक 5 हेतु बीकानेर के सामने शिविर का आयोजन किया जायेगा।

पाइप लाइन एवं वाल्व के लीकेज का सुधार

जल अपव्यय रोकने नागरिकों को किया प्रेरित

कटनी, यशभारत। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर में विभिन्न जन जागरूकता गतिविधियों नदी, तालाबों की सफाई, लीकेज पाइप लाइन एवं वाल्व की मरम्मत सहित नारे लेखन आदि का आयोजन किया जाकर नागरिकों के बीच जल संरक्षण की अलख जगाई जा रही है। यह अभियान आगामी 30 जून तक चलेगा। अभियान के तहत नगर निगम कटनी के जल प्रदाय विभाग के द्वारा इंदिरा गांधी वार्ड स्थित शिवनगर, केलवारा मोड़ के पास नल कनेक्शनों हेतु बिछाई गई पाइपलाइन के लीकेज की मरम्मत कर कराई गई। वही रंगनाथ मंदिर मधुर स्टूडियो के पास 3 इंच वाल्व का सुधार कार्य कराया जाकर अपव्यय होने वाले जल का संरक्षण किया गया। यह पहल जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश से की जाकर नागरिकों को सलाह दी गई कि पानी भरते ही नल की टोटी बंद कर देना चाहिए, जिससे जल बर्बाद होने से रोका जा सके।

ध्वजा आकाश में लहरा के चल रहा है कोई...

क्षणिका सम्राट हास्य कवि के जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि

कटनी, यशभारत। नगर के साहित्यकारों में एक मील का पत्थर बाबू मिश्रीलाल जायसवाल जिन्हें क्षणिकाओं का जनक भी कहा जाता है। काका हाथरसी, गोपाल दास नीरज, शैल चतुर्वेदी जैसे दिग्गज साहित्यकारों के साथ मंच साझा करने वाले बाबू जी छः पंक्तियों में अपनी बात रखकर व्याप्त सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते थे, इसलिए इनकी रचनाओं को छक्का का संबोधन भी प्राप्त हुआ। धीरे-धीरे कविता ने और सूक्ष्म रूप धारण कर लिया। सिमट कर चार पंक्तियों में आ गई। चार पुस्तकों का प्रकाशन हुआ। चौराहे की बात, मिश्रीलाल जायसवाल की सूक्ष्मिकाएं, हर शाख पे उल्लु बैठा है, तोते की आंख। उनकी शुद्ध हास्य से ओत प्रोत कुछ पंक्तियां लिपिस्टिक काली मेम को लगती ऐसी नीक, जैसे डामर सड़क पर पड़ी पान की पीक। वे देश में खाते हैं, विदेश में खाते हैं। वे हाथी हैं पर, एक भेद है, रंग सफेद है। देश में दूध की कमी से यह गुल खिल रहा है, दूध का धुला आदमी नहीं मिल रहा है। हैदराबाद में आयोजित विश्व ह्यूमर कांफ्रेस 1985 में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज की।

जैन पाठशाला का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

डेढ़ सैकड़ा बच्चों ने दी परीक्षा

कटनी, यशभारत। परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि प्रसाद सागर महाराज मुनि पद्म सागर महाराज मुनि शीतल सागर महाराज के सान्निध्य में आचार्य श्री शांति सागर विद्यालय संस्कार केंद्र जैन पाठशाला के वार्षिक परीक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया एवं पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों के मंगलाचरण एवं उपस्थित गणमान्य अतिथिगण सकल दिगम्बर पंचायत सभा के अध्यक्ष संजय जैन, पंचम जैन, शुभम जैन, मोनी भैया, एवं द्वारा अन्य उपस्थित समाज जन के द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। लगभग 150 बच्चों ने परीक्षा दी थी। सभी बच्चों को एवं अभिभावकों को महाराज श्री जी का उद्बोधन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन पाठशाला संचालिका ब्रह्मचारिणी मंजू दीदी ब्रह्मचारी रूचि दीदी ब्रह्मचारिणी शिवी दीदी एवं ब्रह्मचारिणी स्मृति दीदी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सकल पाठशाला परिवार की शिक्षिकाओं द्वारा किया गया जिसमें श्रीमती शुभा जैन, श्रीमती शशि जैन, श्रीमती अर्चना जैन, श्रीमती आभा जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती शिमला जैन आदि सभी शिक्षिकाओं का सहयोग रहा। कार्यक्रम का आयोजन दिगंबर जैन धर्मशाला में किया गया।

इंटर्नशिप का सुनहरा अवसर

कटनी, यशभारत। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शील्ड सस्टेनेबल हाउसिंग इंटीग्रेटिंग एफिशियंटलिविंग एंड डिजास्टर रेजिलिएंस के तहत जिले के बीआर्क, एम आर्क, बीई, बीटेक और बीई सिविल उपाधि धारी छात्रों से भू-क्लाइमेटिंग जोन का दौरा करने और विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद आवास टाइपोलॉजी अध्ययन करने एवं दस्तावेजीकरण करने हेतु ग्रीष्मकालीन समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत 20 मई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है।

नदी में उतरकर हटाई जलकुंभी

माई नदी घाट में सामूहिक श्रमदान

कटनी, यशभारत। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान के माध्यम से विभिन्न जल संरचनाओं की साफ सफाई, पाइपलाइन की मरम्मत, कुओं की सफाई आदि का कार्य किया जाकर नागरिकों के मध्य जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। इसी क्रम में अभियान के तहत रविवार को नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा आयोजित अभियान के दौरान सामूहिक श्रमदान कर सिमरार, माईनदी एवं घाट की साफ सफाई की गई। सफाई अभियान के दौरान माईघाट से पूजन सामग्री, पॉलीथिन एवं अन्य प्रकार के कचरे के साथ ही नदी में एकत्रित जलकुम्भी हटाने का कार्य किया जाकर जलसंरचनाओं को स्वच्छ रखते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाएंगे विराट, टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की कही बात

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बना लिया है। ऐसे में उनके इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा बनने की संभावना कम है। हालांकि, बीसीसीआई के एक उच्च अधिकारी ने कोहली से इस फैसले पर दोबारा सोचने को कहा है। अब देखना होगा कि चयन समिति जब इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का ऐलान करेगी, तब कोहली के भविष्य को लेकर क्या फैसला होता है। विराट से पहले रोहित शर्मा ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। 7 मई को उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की और रेडबॉल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। हालांकि वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में मैच खेलते रहेंगे, जो उनका मजबूत पक्ष रहा है। रोहित शर्मा की तरह विराट कोहली ने भी टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में रोहित और कोहली की जोड़ी क्रिकेट फैन्स को वनडे में खेलती हुई दिखेगी। वहीं दोनों वर्तमान में आईपीएल क्रिकेट में खेलते हुए दिखे, जिसे फिलहाल भारत-पाकिस्तान के तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। भारत के चयनकर्ता कुछ दिनों में इंग्लैंड में अगले महीने होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम चुनने के लिए मिलने वाले हैं। यह जानकारी मिली है कि कोहली इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से अपने टेस्ट भविष्य पर विचार कर रहे थे, जब उन्होंने पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद खराब प्रदर्शन किया था। 36 साल के विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेलते नजर आए थे। जहां भारत को 5 मैचों की सीरीज में 1-3 से हार मिली थी। कोहली ने सीरीज के पहले मैच में शतक जरूर लगाया था, लेकिन इसके बाद वह संघर्ष करते दिखे थे। कोहली ने तब उस सीरीज के 5 मुकाबलों की 9 पारियों में 23.75 के एवरेज से महज 190 रन बनाए थे। इसमें पर्थ में जड़ा गया 100 रनों का नॉट आउट शतक भी शामिल था। कोहली का टेस्ट डेब्यू जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्सटन में हुआ था। कोहली ने तब पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 15 रन बनाए थे। वहीं कोहनी ने आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था, जो जनवरी 2025 में खेला गया था। इस आखिरी टेस्ट में कोहली ने पहली पारी में 17 तो दूसरी पारी में 6 रन बनाए थे।

बल्लेबाज आंद्रे रसेल की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल रहे आंद्रे रसेल का बल्ला भले इस बार शांत हो, लेकिन उनकी निजी जिंदगी हमेशा सुर्खियों में रही है। रसेल की पत्नी जैसिम लोरा सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक मशहूर अमेरिकी मॉडल और फैशन ब्लॉगर भी हैं, जिनका सोशल मीडिया पर जबरदस्त क्रेज है। जैसिम की पहचान उनके बोल्ड फोटोशूट और इंस्टाग्राम पर स्टाइलिश अंदाज के लिए होती है। वह जेसीमलोरारु नाम से इंस्टा पर एक्टिव हैं और उनके तीन लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। जैसिम कई नामचीन ब्रांड्स के साथ काम कर चुकी हैं और फैशन इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं। लेकिन क्रिकेट की दुनिया में उनकी चर्चा तब शुरू हुई, जब वह आंद्रे रसेल की गर्लफ्रेंड के तौर पर सामने आईं। रसेल और जैसिम का रिश्ता 2014 में सगाई के साथ सार्वजनिक हुआ और दो साल बाद, जुलाई 2016 में दोनों ने शादी कर ली। उनकी शादी का जश्न बेहद निजी और खास था। इसके बाद जनवरी 2020 में उनके घर एक प्यारी सी बेटी ने जन्म लिया। जैसिम न सिर्फ रसेल की पत्नी हैं, बल्कि उनकी सबसे बड़ी सपोर्टर भी हैं। आईपीएल, सीपीएल या कोई भी बड़ा टूर्नामेंट हो, जैसिम स्टैंड में मौजूद होकर रसेल का हौसला बढ़ाती नजर आती हैं। उनकी मौजूदगी कैमरे में अक्सर कैद होती है, जहां वह अपने पति के हर चौके-छक्के पर झूमती दिखती हैं। सोशल मीडिया पर वह सिर्फ फैशन की नहीं, बल्कि अपने परिवार की झलक भी साझा करती हैं। जैसिम लोरा आज आंद्रे रसेल की जिंदगी का अहम हिस्सा ही नहीं, बल्कि उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ का मोटिवेशन भी बन चुकी हैं। जहां एक ओर रसेल मैदान में गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हैं, वहीं जैसिम अपने स्टाइल और सपोर्ट से हर इवेंट में छाई रहती हैं।

भारत-पाक तनाव के बीच एशिया कप पर संकट

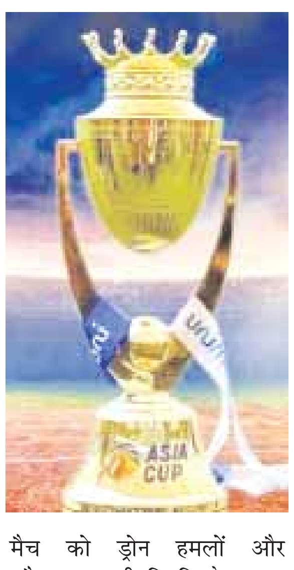

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की मेजबानी इस बार भारत को मिली है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न युद्ध जैसी स्थिति ने इस टूर्नामेंट के आयोजन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस तरह से सीमा पर तनाव बढ़ा है, उसमें यह संभावना बेहद कम नजर आ रही है कि इस साल एशिया कप का सफल आयोजन हो पाएगा। अगर भारत इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से इनकार कर देता है, तो एशिया कप के आयोजन की संभावना लगभग खत्म मानी जा रही है, क्योंकि भारत के बिना इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। बीसीसीआई पहले ही आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर चुका है। इस बीच धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चल रहे मैच को ड्रोन हमलों और ब्लैकआउट की स्थिति के कारण रद्द कर दिया गया था, जिससे लीग की सुरक्षा चिंताओं को और बल मिला। अगर आने वाले दिनों में हालात सामान्य नहीं होते हैं, तो यह आशंका है कि आईपीएल 2025 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ सकता है। हालांकि, ऐसे संकटपूर्ण समय में बीसीसीआई को एक संभावित राहत अगस्त-सितंबर की विंडो के रूप में मिल सकती है।

यदि एशिया कप रद्द होता है, तो बीसीसीआई उस समय का उपयोग आईपीएल 2025 के बचे हुए मैचों को पूरा करने के लिए कर सकता है। इस समयावधि में भारतीय टीम का कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर शेड्यूल नहीं है, जिससे बोर्ड के पास लीग को दोबारा शुरू करने के लिए पर्याप्त समय और संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई पहले ही कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों को वैकल्पिक वेन्यू के तौर पर चिन्हित कर चुका है, जहां सुरक्षा स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है।

आईपीएल 2025 के बचे मैच कराने इंग्लैंड तैयार : माइकल वॉन

ईसीबी ने बीसीसीआई से किया संपर्क

मुंबई, यशभारत। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण आईपीएल 2025 को शुक्रवार को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि अगर शेष मैच भारत में आयोजित नहीं हो पाते, तो बीसीसीआई के पास कौन से विकल्प मौजूद हो सकते हैं। इस बीच, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने इंग्लैंड में आईपीएल के मैचों को आयोजित करने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बीसीसीआई से टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर बातचीत शुरू की है। एक इंग्लिश मैगजीन के मुताबिक, शुक्रवार की शाम को ईसीबी ने बीसीसीआई से संपर्क किया। हालांकि, बीसीसीआई की तरफ से इस बातचीत को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि आईपीएल 2025 को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने प्रमुख हितधारकों के साथ परामर्श करने के बाद यह निर्णय लिया। गौरतलब है कि गुरुवार को जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी मिलने के बाद धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच को रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद आईपीएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। बीसीसीआई सचिव ने एक विज्ञप्ति में कहा, ÷बीसीसीआई ने आईपीएल के बाकी मैच तुरंत प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। नए कार्यक्रम और टूर्नामेंट के आयोजन के बारे में समय आने पर जानकारी दी जाएगी। इस निर्णय से पहले संबंधित अधिकारियों और हितधारकों के साथ हालात की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

पंत की फॉर्म में गिरावट के पीछे खराब शॉट का चयनः सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने ऋषभ पंत की फॉर्म में गिरावट के पीछे उनका खराब शॉट चयन, मानसिक दबाव और टीम की कमजोर स्थिति को जिम्मेदार ठहराया है। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी संभाल रहे ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन पर पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस सीजन में पंत अपनी बल्लेबाजी से कोई खास असर नहीं छोड़ पाए हैं। वह लगातार फ्लॉप हो रहे हैं और टीम भी उनकी कप्तानी में जूझती नजर आ रही है। अब तक खेले गए 11 मुकाबलों में लखनऊ सुपर जायंट्स सिर्फ 5 मैच जीत सकी है और प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म होती जा रही हैं। ऐसे में एक और हार से टीम की पूरी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि ऋषभ पंत बार-बार गलत शॉट चयन के चलते आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, आप हर बार मुश्किलों से बाहर नहीं निकल सकते। पंत पर अपनी छवि को बनाए रखने का दबाव है जो उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। यह मानसिक दबाव उनके चेहरे और खेल में साफ नजर आता है। वह कप्तान के रूप में कई बार संयम खो देते हैं जिससे विपक्षी टीम को फायदा मिलता है। सिद्धू ने आगे कहा कि पंत को महेंद्र सिंह धोनी से सीख लेनी चाहिए जो अपने शांत और संतुलित स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। सिद्धू ने सुझाव दिया कि पंत को अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए और क्रिकेट की मूलभूत बातों पर लौटना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि पंत को शॉट सिलेक्शन के मामले में बहुत सोच-समझकर फैसला लेना होगा। गौरतलब है कि लखनऊ सुपर जायंट्स ने मेगा नीलामी में ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे। लेकिन उनका प्रदर्शन अब तक उस कीमत के अनुरूप नहीं रहा है।

मनोरंजन

शख्सियत के मुताबिक रोल मिलेगा तो कमबैकर करुंगीः मुमताज

मुंबई, यशभारत। हाल ही में एक इंटरव्यू में हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मुमताज ने बताया कि वह तभी फिल्मों में लौटेंगी जब उन्हें अपनी शख्सियत और लुक्स के मुताबिक रोल मिलेगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वह 'बुड्ढी' या किसी की मां के किरदार में वापसी नहीं करना चाहतीं। मुमताज ने कहा कि लोग उन्हें जिस तरह देखते हैं, उस तरह का कोई रोल उन्हें अब तक ऑफर नहीं हुआ है। इसलिए वह फिल्मों में लौटने का फैसला टाल रही हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर उन्हें सही स्क्रिप्ट मिले, तो वह जरूर दोबारा कैमरे के सामने आना चाहेंगी, लेकिन वह कोई भी रोल सिर्फ वापसी के लिए नहीं करेंगी। मुमताज के इस बेबाक जवाब ने उनके फैंस को एक बार फिर से उनका दीवाना बना दिया है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा कि उनका कॉन्फिडेंस कमाल का है और उम्र के इस पड़ाव पर भी वह खुद के लिए स्टैंड लेना जानती हैं। अगर मुमताज की प्रोफेशनल जर्नी पर नजर डालें, तो उन्होंने महज 11 साल की उम्र में फिल्म लाजवंती से अपने करियर की शुरुआत की थी। शुरुआती दिनों में वह स्टंट फिल्मों की हीरोइन के रूप में जानी जाती थीं, लेकिन 'राम और श्याम', 'मेरे हमदर्द मेरे दोस्त' और विशेष रूप से 'दो रास्ते' जैसी फिल्मों की सफलता ने उन्हें मुख्यधारा की सुपरस्टार बना दिया। 1976 में नागिन के बाद उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लिया और 1990 में फिल्म आंधियां से पर्दे पर वापसी की। इसके बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से पूरी तरह दूरी बना ली और लंदन में अपने पति के साथ बस गईं। मुमताज का यह बयान न केवल उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि वह अब भी अपने दर्शकों के सामने एक दमदार और यादगार रोल के साथ आना चाहती हैं, ना कि किसी मजबूरी या चलन के दबाव में। बता दें कि हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मुमताज ने अपने हालिया इंटरव्यू में फिल्मों में वापसी को लेकर दिलचस्प बयान दिया है। 60 और 70 के दशक में अपने हुस्न और अदाओं से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली मुमताज अब लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं।

रॉ एजेंट धालीवाल के किरदार में नजर आएंगे ऋतिक

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड की फिल्म वॉर 2 में सुपरस्टार ऋतिक रोशन एक बार फिर रॉ एजेंट कबीर धालीवाल के किरदार में नजर आएंगे। सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर लीक हो गई है, जिसमें ऋतिक जापानी तलवार 'कटाना' के साथ एक भयंकर एक्शन पोज में नजर आ रहे हैं। तस्वीर देखकर लग रहा है कि एक्टर इस तलवार के साथ ही अपने एक्शन सीक्वेंस खत्म करेंगे। यह तस्वीर एक जापानी मॉनेस्ट्री जैसे सेट पर शूट किए गए सीन की बताई जा रही है, जिसे मुंबई के अंधेरी स्थित वाईआरएफ स्टूडियो में शूट किया गया है। दावा किया जा रहा है कि यह सीन ऋतिक के ग्रैंड एंट्री सीक्वेंस का हिस्सा है। धुंध से घिरे इस 300 साल पुराने पहाड़ी मॉनेस्ट्री जैसे सेट में ऋतिक का 'बीस्ट मोड' लुक फैंस को दीवाना बना रहा है। हालांकि यह सिर्फ एक तस्वीर है, फिर भी इससे फैंस के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर लोग इस लुक को अब तक का सबसे स्टाइलिश और जबरदस्त बता रहे हैं। वॉर 2 2019 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म वॉर का सीक्वल है, जिसे अयान मुखर्जी डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में ऋतिक के साथ साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर विलेन की भूमिका में नजर आने वाले हैं। कियारा आडवाणी भी एक अहम रोल में हैं। फिल्म में शाहरुख खान और सलमान खान के कैमियो और पोस्ट-क्रेडिट सीन में आलिया भट्ट की झलक भी देखने को मिल सकती है। वार-2 के साथ ही सुपरस्टार ऋतिक रोशन एक बार फिर अपने जबरदस्त एक्शन अवतार में वापसी करने को तैयार हैं।

पब्लिसिटी के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थींः मीरा राजपूत

मुंबई, यशभारत। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने खुलासा किया कि शाहिद से शादी के शुरुआती दिनों में उन्हें कितनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। बातचीत के दौरान मीरा ने कहा कि शादी के वक्त वह केवल 20 साल की थीं और इतने बड़े स्तर पर मिलने वाली पब्लिसिटी के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थीं। मीरा ने बताया कि शादी के कुछ ही दिनों के भीतर उन्हें फेसबुक पर अचानक 3000 फ्रेंड रिक्वेस्ट आने लगीं। उस समय यह संख्या उन्हें बहुत बड़ी लगी और उन्होंने डर के मारे अपना फेसबुक अकाउंट ही डिलीट कर दिया। उन्हें यह चिंता सताने लगी कि कहीं कोई उनके पुराने फोटो देख कर उन्हें जज न करे। मीरा ने कहा, मैं डर गई थी कि अगर किसी ने मेरा अकाउंट हैक कर लिया तो मेरी वो फोटोज देख लेगा जब मैं 15 साल की थी या किसी पार्टी में थी। लोग मेरे कपड़ों से मुझे जज कर सकते थे। उन्होंने आगे बताया कि वह दिल्ली की एक आम लड़की थीं और अचानक एक बॉलीवुड स्टार की पत्नी बन जाना उनके लिए बहुत बड़ा बदलाव था। उन्हें अपना शहर छोड़कर मुंबई आना पड़ा और एक पब्लिक फिगर की जिंदगी जीनी पड़ी। मीरा ने स्वीकार किया कि लोगों को भले ही उनकी जिंदगी किसी परीकथा जैसी लगती हो, लेकिन हकीकत में वह काफी अकेलापन महसूस करती थीं।

रजनीकांत की कुली का टीजर वायरल, 14 अगस्त को होगी रिलीज

मुंबई, यशभारत। सुपर स्टार रजनीकांत की फिल्म कुली का टीजर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो चुका है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या यानी 14 अगस्त को इसे वर्ल्डवाइड रिलीज किया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा के बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड को तोड़ने का दम रखती है। 72 साल की उम्र में भी रजनीकांत का स्टारडम ऐसा है कि बड़े-बड़े बॉलीवुड सितारे उनके सामने फीके नजर आते हैं। उनकी आने वाली फिल्म कुली इसका ताजा उदाहरण बन गई है, जो अपनी रिलीज से पहले ही फीस और बजट को लेकर सुर्खियों में है। इस फिल्म का कुल बजट 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, जिसमें से 280 करोड़ रुपये तो सिर्फ रजनीकांत ने फीस के तौर पर वसूल लिए हैं। इस एक कदम से उन्होंने न केवल अपना पुराना रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि जैकी चेन और आमिर खान जैसे सितारों को भी पीछे छोड़कर एशिया के सबसे महंगे स्टार बन गए हैं। कुली 14 अगस्त को रिलीज होने जा रही है, और इसमें रजनीकांत के साथ नयनतारा लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन एआर मुरुगादास कर रहे हैं, जबकि लोकेश कनगराज इसके निर्माता हैं। महंगे बजट की इस फिल्म में केवल डायरेक्टर की फीस ही 60 करोड़ रुपये है, जो अब तक किसी निर्देशक को मिली सबसे बड़ी रकम मानी जा रही है। इसके अलावा तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन ने भी इस फिल्म के लिए 35 करोड़ की फीस ली है, जिस पर 10 फीसदी जीएसटी भी जोड़ा गया है। फिल्म में श्रुति हसन, सत्यराज और उपेंद्र राव भी नजर आएंगे, हालांकि इनकी फीस इंडस्ट्री के सामान्य रेट के मुताबिक ही रखी गई है।

बंटवारे के बाद कराची से वापस आए थे जगदीप, करना पडा संघर्ष

मुंबई, यशभारत। बालीवुड के हास्य अभिनेता जगदीप ने 'शोले' में सूरमा भोपाली का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। लेकिन इस सफलता तक पहुंचने का उनका सफर भूख, गरीबी और दर्द से भरा हुआ था। 29 मार्च 1939 को मध्यप्रदेश के दतिया में जन्मे जगदीप एक संपन्न मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता एक महाराजा के यहां वकील थे, लेकिन उनकी असमय मृत्यु ने पूरे परिवार को गरीबी में धकेल दिया। मां बच्चों को लेकर कराची चली गई, लेकिन भारत-पाकिस्तान बंटवारे के दौरान हालात ऐसे बने कि उन्हें फिर भारत लौटना पड़ा। इस दौरान जगदीप ने आंखों के सामने हिंसा, लहूलुहान सड़कों और उजड़े हुए परिवारों को देखा। मुंबई आकर उनकी मां को अनाथालय में खाना पकाने का काम मिला, जबकि जगदीप ने पढ़ाई छोड़ दी और टिन के कारखानों में काम करना शुरू किया। हालत इतने खराब हो चुके थे कि परिवार के पास खाने को भी कुछ नहीं बचा था। कई बार जगदीप बेकरी के फर्श पर गिरी ब्रेड के टुकड़ों को उठाकर खाते, जिनमें कभी चूहे और कभी कॉकरोच मुंह मार चुके होते। वह गंदगी हटाकर वही टुकड़े खाकर खुद को जिंदा रखते। काम की तलाश करते हुए एक दिन उन्हें बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'अफसाना' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम मिला, जिससे उन्हें तीन रुपये मेहनताना मिला। यही से उनके अभिनय सफर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्होंने 'हम पंछी एक डाल के', 'आर पार', 'अब दिल्ली दूर नहीं' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी एक्टिंग से प्रभावित होकर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अपने निवास पर नाश्ते के लिए बुलाया और अपनी छड़ी उन्हें तोहफे में दी। करीब 400 फिल्मों में अभिनय कर चुके जगदीप ने अपनी मेहनत और जज्बे से वह मुकाम हासिल किया, जो लाखों लोगों के लिए एक सपना है।

लाडली बहना योजना से बाहर हुई 6800 महिलाएं

अलग-अलग कारणों से हुई अपात्रता, घट गई संख्या

कटनी, यशभारत। जिले में अलग अलग वजहों से 6800 महिलाएं लाडली बहना योजना से बाहर हो चुकी हैं। कुछ माह लाभ प्राप्त करने के बाद अब इनके खाते बंद हो चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि कुछ महिलाओं की मौत हो जानेए कुछ की आयु 60 साल पूरी हो जानेए कुछ की समग्र आईडी डिलीट हो जाने समेत अपात्रता के अन्य कारणों की वजह से जिले की सूची में यह आंकड़ा कम हो चुका है। योजना जब शुरू हुई तब जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में लाभ हासिल करने वाली महिलाओं की संख्या 2 लाख 53 हजार के आसपास थी, जो घटकर 2 लाख 45 हजार 409 रह गई है।

आंकड़े बोलते हैं कि जिले में 3132 की उम्र 60 के पार हो गई है जबकि 438 को यह मान लिया गया कि उन्होंने खुद ही लाभ का परित्याग कर दिया। सूत्र बताते हैं कि 203 महिलाओं की की समग्र आइडी डिलीट होने से इनके खातों में राशि आना बंद हो गई जबकि 28 में आपत्तियां लगी हुई हैं। गौरतलब है कि जून 2023 में शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक संबल देना था, लेकिन अब हालात कुछ और बयां कर रहे हैं। योजना लागू होने के बाद से अब तक 6800 महिलाओं का नाम सूची से हटाया जा चुका है। ये वे महिलाएं हैं, जिन्हें शासन के तय मानदंडों के अनुसार अपात्र घोषित कर दिया गया। योजना की कुछ किश्तें पाने के बाद जिले में 490 महिलाओं की मौत हो गई है। कुछ के समग्र आइडी डिलीट हो जाने के कारण भी नाम सूची से गायब हुए। आधार और समग्र आइडी के डीलिंक होने से भी कई बहनों को योजना से बाहर किया गया। सूत्रों की मानें तो कई मामलों में तकनीकी गड़बड़ियों से नाम स्वतः हट गए हैं। वे महिलाएं अब कार्यालयों के चक्कर काट रहीं है। अभावों का जीवन जीने वाली कई महिलाओं के लिए यह योजना सिर्फआर्थिक मदद नहीं थीए बल्कि आत्मनिर्भरता का सपना भी हैए योजना से बाहर होने के बाद कई बहनों की आंखों में आंसू हैं। वे खुद को फिर से असहाय महसूस कर रही।

60 वर्ष से अधिक की 3 हजार 132 महिलाएं

बताया गया है कि 3132 महिलाएं ऐसी हैं, जो अब 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी हैं, जिससे वे स्वचालित रूप से योजना की पात्रता से बाहर हो गई हैं। ऐसी महिलाओं की संख्या 3132 है। अब वे लाभ के लिए परेशान हो रही हैं। महिलाओं के लिए सरकार की यह मदद बड़ी थी। कुछ ने तो इस सहायता से बच्चों की पढ़ाई और घर के छोटे-छोटे खर्च संभालने के सपने देखे थे जो अब अधूरे रह गए। फिलहाल कटनी जिले में 2 लाख 43 हजार 309 महिलाएं ही योजना का लाभ ले पा रही हैं। पहले की तुलना में यह संख्या काफी कम हो गई है। प्रशासन का कहना है कि पात्रता जांच के बाद ही लाभार्थियों को चयनित किया जा रहा है, ताकि योजना का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके।

29.63 करोड़ का वितरण

लाड़ली बहना योजना का 25 मार्च 2023 से पहला चरण शुरू हुआ था। पूर्व सीएम शिवराज सिंह के समय 2 लाख 53 हजार महिलाओं को लाभ मिल था। 23.12 करोड़ रुपए याने कि प्रत्येक बहन को एक-एक हजार रुपए मिले थे। वर्तमान में अब 23वें भुगतान की राशि 29.63 करोड़ रुपए है। 2 लाख 45 हजार 409 महिलाओं के खाते में 1250-1250 रुपए जारी किए गए हैं।

इनका कहना है

कुछ महिलाओं की मौत हो जाने, लाभ परित्याग करने, 60 साल की उम्र पूरी हो जाने सहित समग्र आइडी डिलीट हो जाने के कारण नाम अलग हो गए हैं। कुछ महिलाओं की मौत भी हो गई है व कुछ अपात्र हैं, इस कारण संख्या कम हुई है।

-नयन सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग

वेंडरों के इशारे पर बदले जा रहे प्लेटफार्म

प्लेटफार्म खाली होने के बाद भी आउटर पर रोका जा रहा ट्रेनों को

खानपान एजेंसियों की रेल कर्मचारियों से सांठगांठ

कटनी, यशभारत। कटनी रेलवे जंक्शन में पिछले कुछ समय से मनमानी हावी हो गई है। यहां वेंडरों के इशारे पर ट्रेनों के प्लेटफार्म बदले जा रहे हैं और प्लेटफार्म खाली होने के बाद भी ट्रेनों को आउटर पर रोककर रखा जा रहा है। जिससे गर्मी के मौसम में यात्री परेशान हो रहे हैं। आज भी कुछ ऐसा ही हुआ। कटनी जंक्शन आने वाली एक स्पेशल ट्रेन को आउटर पर आधे घंटे से ज्यादा समय तक रोककर रखा गया, जबकि उस समय प्लेटफार्म क्रमांक तीन और चार खाली थे। रेल प्रशासन चाहता तो इस ट्रेन को प्लेटफार्म क्रमांक तीन और चार पर लेकर यात्रियों को परेशान होने से बचा सकता था लेकिन वेंडरों के इशारे पर कतिपय रेल कर्मचारियों ने ऐसा हीं किया, जिसके चलते यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि कटनी रेलवे जंक्शन में आधा दर्जन प्लेटफार्म हैं, जिसमे से 2 नंबर प्लेटफार्म सतना और 5 नंबर प्लेटफार्म से जबलपुर रूट की गाड़ियों को रवाना किया जाता है, जबकि प्लेटफार्म नंबर तीन और चार पर इन दोनों ही रूट की गाड़ियों को रवाना कया जाता है। कईयों बार ऐसी स्थिति बनती है कि प्लेटफार्म क्रमांक दो और पांच पर गाड़ी खड़ी होती है, जिसके चलते ट्रेनों को आउटर पर ही रोक दिया जाता है, जबकि रेल प्रशासन चाहे तो इन गाड़ियों को प्लेटफार्म क्रमांक तीन और चार पर भी लिया जा सकता है लेकिन प्लेटफार्म क्रमांक पर संचालित फूड प्लाजा और कतिपय खानपान एजेंसियों और उनके वेंडरों के इशारे पर काम करने वाले कतिपय रेल कर्मचारी ऐसा होने नहीं देते। रेल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों तक इस तरह की मनमानी की शिकायतें पहुंचने के बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही।

निर्धारित से अधिक वेंडर

एक जानकारी में यह भी बताया गया है कि रेल प्रशासन द्वारा प्रत्येक प्लेटफार्म पर खानपान सामग्री बेचने के लिए वेंडरों की संख्या निर्धारित की गई है, इसके बावजूद प्लेटफार्म क्रमांक 2 पर संचालित फूड प्लाजा पूनत इंटरप्राईजेज के संचालकों द्वारा मनमानी करते हुए रेल कर्मचारियों की सांठगांठ से निर्धारित से अधिक वेंडरों को प्लेटफार्म पर भेजकर खानपान सामग्री का विक्रय कराया जा रहा है। यह भी पता चला है कि इन एजेंसियों को अपने वेंडरों को न तो प्लेटफार्म पर भेजने की अनुमति है और न ही ट्रेनों के अंदर जाने की इसके बाद भी इन निर्देशों-नियमों की अवहेलना की जा रही है। इनके वेंडर बकायदा ट्रेन आते ही बोगियां के सामने खड़े हो जाते हैं और कईयों बार तो ट्रेनों के अंदर भी जाते हैं। जिन गाड़ियों में पेंट्री कार लगा होता है, उसके अंदर भी यह वेंडर जाकर खाद्य साग्रमी का विक्रय करते हैं।

सरहद पर जारी तनाव के बीच कटनी पुलिस एक्टिव मोड पर

थानों में बनाई जाएगी 100 सिविल वॉलिंटियर्स की टीम

एसपी ने बैठक लेकर दिए सतर्कता बरतने के निर्देश

कटनी, यशभारत। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव एवं संघर्ष को दृष्टिगत रखते हुए कटनी पुलिस अलर्ट मोड पर है और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी निगाह रखी जा रही है। एसपी के निर्देश पर जिले की सरहद के साथ ही संवेदनशील इलाकों पर विशेष सतर्कता और निगरानी बरती जा रही है। कल शाम से लेकर देर रात तक पुलिस ने चप्पे-चप्पे पर विशेष चैकिंग अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध लोगों को रोककर उनकी तलाशी ली गई और समझाईश दी गई।

पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे बल के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण करें। जिससे पुलिस की उपस्थिति तथा सुरक्षा का वातावरण तैयार हो। हर गतिविधि पर सतत निगाह रखेंगे। किसी भी अवांछनीय गतिविधि पर तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। आकस्मिक वैकल्पिक रास्ते का रोड मैप तैयार कर किया जाए। ओवरब्रिजों, पुलियों, निर्माणाधीन संसाधनों का अवलोकन किया जाए। विषम परिस्थितियों में वैकल्पिक रास्तों का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया गया। ऐसे क्षेत्र जो वल्नरेबल एरिया घोषित है तथा विभक्ति जिनके कारण क्षेत्र में किसी प्रकार की परिशांति भंग होने का अंदेशा है ऐसी व्यक्तियों को चिन्हित करने तथा उन पर निगरानी करने व कठोर कार्रवाई की जाए। होटलों, ढाबों की सतत चेकिंग की जाए और बाहर से आने वाले व्यक्तियों की चेकिंग की जाए। थाना स्तर पर मीटिंग एवं वॉलिंटियर्स तैयार करते हुए लगातार संपर्क किया जाए। थाना प्रभारी को प्रत्येक थाना क्षेत्र में 100 सिविल वॉलिंटियर्स तैयार करने की निर्देश दिए।

सोशल मीडिया को लेकर जारी हुई एडवाइजरी

सोशल मीडिया प्लेटफार्म के दुरुपयोग न करने के संबंध में दिए निर्देश पुलिस कप्तान द्वारा एडवाइजरी जारी कर आम नागरिकों से अपील की है कि जिलेवासी किसी भी आपत्तिजनक, भ्रामक भड़काऊ जानकारी साझा ना करें, ना ही किसी को करने दें वह एक जिम्मेदार नागरिक बने। किसी भी अंजान लिंक पर क्लिक न करें वर्तमान परिदृश्य में किसी भी साइबर हमले से सुरक्षित रखने का प्रयास करें।

बीयर से लोड ट्रक हाईवे पर पलटा, कार्टून लेकर भागे लोग

स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के छपरा की घटना

कटनी, यशभारत। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर छपरा के समीप बीयर से लोड एक ट्रक तेज रफ्तार होने के कारण रविवार दोपहर पलट गया। ट्रक के पलटते ही बीयर की बोतलें कार्टून सहित सड़क पर बिखर गईं। इस दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई और जाम लग गया। कई लोग कार्टून व बीयर की बोतल लेकर भाग निकले। सूचना पाकर पहुंची स्लीमनाबाद पुलिस ने मौके से लोगों को हटाया और जाम खुलवाया। थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया ने बताया कि ट्रक क्रमांक एमपी 33 ई 9381 भोपाल से उत्तरप्रदेश हजारीबाग जा रहा था। ट्रक में बड़ी संख्या में हंटर कम्पनी की बीयर लोड थीए जो भोपाल स्थित सरकारी वेयरहाउस से भेजी गई थी। चालक की लापरवाही से ट्रक अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलट गया, जिससे मार्ग में आवागमन अवरुद्ध रहा। पुलिस ने क्रेन की सहायता से ट्रक को हाइवे से अलग कर थाना लाकर खड़ा करवाया।

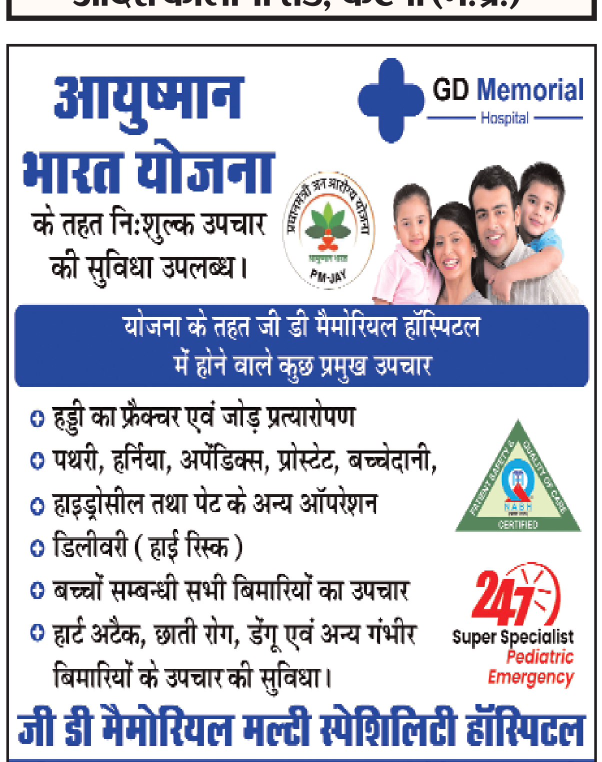

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 29, बीएसएनएल ऑफिस के पास, द्वारका सिटी रोड, बरगवां, कटनी से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*, सम्पादक अम्बरीश तिवारी सलाहकार संपादक श्याम कटारे। फोन (07622) 230033, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)